MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 12 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-190

कलयुगी राक्षस ने की 6 हत्याएँ

पोक्सो आरोपी ने पत्नी और दो मासूम बच्चों समेत दो परिवारों को उतारा मौत के घाट

शाबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): रंगारेड्डी जिले के शाबाद मंडल अंतर्गत दैवलागुड़ा गांव में शुक्रवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक पोक्सो मामले के आरोपी 35 वर्षीय राजकुमार ने अपनी पत्नी, दो मासूम बच्चों और शिकायत करने वाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की समेत उसके परिवार के तीन सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतकों में आरोपी की पत्नी सरिता (30), बेटा परीक्षित (3), बेटी दैविक्षित (2), नाबालिग लड़की, उसकी मां चित्याला लक्ष्मी (42) और नानी चित्याला रुक्कमम्मा (60) शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपने माता-पिता को फोन कर हत्याओं की जानकारी दी और अपना फोन बंद कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 10:45 बजे आरोपी राजकुमार अपनी कार से 6 किलोमीटर दूर शाबाद कस्बे में रहने वाली उस नाबालिग लड़की के घर पहुंचा, जिसने मई में उसके खिलाफ पीछा करने और यौन उत्पीड़न का पोक्सो केस दर्ज कराया था। राजकुमार ने दरवाजा खटखटाया और जैसे ही लड़की की मां ने दरवाजा खोला, उसने उसका गला रेत दिया। इसके बाद उसने घर में सो रही लड़की की नानी की भी हत्या कर दी। आरोपी जबरन नाबालिग लड़की को अपनी कार में डालकर गांव के पास एक तालाब पर ले गया, जहां उसके साथ मारपीट करने के बाद चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी और शव को वहीं छोड़ दिया।

सोते हुए पत्नी और बच्चों को काटा

इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद राजकुमार रात करीब 11:21 बजे अपने घर लौटा। वहां उसने बिस्तर पर सो रही अपनी पत्नी और दो बेहद छोटे बच्चों (3 वर्ष और 2 वर्ष) का बेरहमी से गला

रेत दिया। पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी और कलेक्टर नारायण रेड्डी ने घटना स्थलों का दौरा कर जांच का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि जून में आरोपी को स्थानीय अदालत से अग्रिम जमानत (नो-अरेस्ट ऑर्डर) मिल गई थी, जिसके कारण पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए 7 विशेष टीमों का गठन किया गया है।

हाइवे जाम कर ग्रामीणों ने की आरोपी के एनकाउंटर की मांग

इस जघन्य हत्याकांड के बाद शनिवार को शाबाद और कंडी रोड के मुख्य मार्ग पर पीड़ित परिवार और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर धरना देकर चक्काजाम कर दिया, जिससे हाइवे पर ट्रकों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात ठप हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए मांग की कि पुलिस आरोपी राजकुमार का एनकाउंटर करे ताकि समाज में एक सख्त संदेश जाए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि पुलिस ऐसा नहीं कर सकती, तो आरोपी को ग्रामीणों के हवाले कर दिया जाए ताकि वे उसे सबक सिखा सकें।

पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए मदद करने पर पुलिस ने रखा 2 लाख का इनाम, 7 टीमें गठित

प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार, शुक्रवार रात लगभग 11 बजे आरोपी कथित रूप से सबसे पहले नाबालिग लड़की के घर पहुंचा। आरोप है कि उसने घर में घुसकर लड़की की मां और नानी पर हमला किया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। देर रात होने के कारण आसपास के लोगों को घटना की भनक तक नहीं लगी। इसके बाद आरोपी कथित रूप से नाबालिग लड़की को अपने साथ ले गया। कुछ समय बाद गांव के बाहरी क्षेत्र में उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को सील कर दिया और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, पहली वारदात के बाद आरोपी सीधे अपने घर पहुंचा। पुलिस का कहना है कि वहां उसने अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों की भी हत्या कर दी। इस प्रकार दो अलग-अलग स्थानों पर लगभग दो घंटे के भीतर छह लोगों की जान चली गई। शनिवार सुबह जैसे ही गांव में इस घटना की जानकारी फैली, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। लगातार छह शव मिलने की खबर ने ग्रामीणों को स्तब्ध कर दिया। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि एक ही रात में इतना बड़ा नरसंहार हो सकता है।

घटना के बाद गांव में मातम का माहौल छा गया। पीड़ित परिवारों के घरों से लगातार रोने-बिलखने की आवाजें आती रहीं। महिलाएं बार-बार बेहोश हो रही थीं और परिजनों का दुख शब्दों में बयां करना मुश्किल था। गांव के बुजुर्गों का कहना था कि उन्होंने अपने जीवन में कभी इतनी दर्दनाक घटना नहीं देखी। बच्चों और महिलाओं की मौत ने पूरे गांव को भीतर तक झकझोर दिया। गांव में सुरक्षा की भावना कमजोर पड़ गई और लोग देर रात घरों से बाहर निकलने से भी डरने लगे।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों घटनास्थलों को तत्काल सील कर दिया गया और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की गई। घटनास्थल से खून के नमूने, फिंगरप्रिंट, डिजिटल साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए गए। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया ताकि मृत्यु का समय और परिस्थितियां स्पष्ट हो सकें। जांच अधिकारी घटनाओं का क्रम समझने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने किस प्रकार पूरी वारदात को अंजाम दिया

शनिवार सुबह जैसे ही शाबाद गांव में छह लोगों की हत्या की खबर फैली, पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में स्थानीय पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी, फॉरेंसिक विशेषज्ञ, डॉग स्क्वॉड और क्लूज़ टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। दोनों घटनास्थलों को तत्काल पुलिस सुरक्षा घेरे में लेकर आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

▶8पर

खुशियों के सफर का खौफनाक अंत!

नाव हादसे में 15 की मौत

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम के मशहूर फू क्वोक द्वीप पर घूमने गए भारतीय पर्यटकों का खूबसूरत सफर शनिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसे में बदल गया। वहां 32 भारतीय पर्यटकों समेत चालक दल के 4 सदस्यों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट समुद्र में अचानक पलट गई। इस खौफनाक हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई है, जबकि 21 लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। भारतीय दूतावास ने मृतकों की पुष्टि करते हुए बताया कि इनमें सबसे ज्यादा 10 लोग तमिलनाडु के, 3 आंध्र प्रदेश के, इसके अलावा 2 लोग केरल के रहने वाले थे। इस हादसे के बाद भारत और वियतनाम की एजेंसियां लगातार पीड़ितों की मदद के काम में जुटी हैं।

समुद्र में पलटी स्पीडबोट, मची चीख-पुकार

यह पूरी घटना फू क्वोक द्वीप के पास उस समय हुई, जब पर्यटकों को लेकर स्पीडबोट मे रुट द्वीप से एन थोई पोर्ट की तरफ लौट रही थी। स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर करीब एक बजे अचानक समुद्र का मिजाज बिगड़ गया। तेज हवाओं के बीच नाव पूरी तरह अपना संतुलन खो बैठी, जिसकी वजह से नाव समुद्र में पलट गई। यह दर्दनाक घटना होन मे रुट द्वीप से करीब 400 मीटर दूर हुई। फू क्वोक वियतनाम का एक बेहद खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन है, जहां हर साल दुनिया भर से बड़ी संख्या में लोग स्नॉर्कलिंग, डाइविंग और समुद्री सैर का लुत्फ उठाने पहुंचते हैं। किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह सफर ऐसा मोड़ ले लेगा।

हादसे के तुरंत बाद पानी में डूबे लोगों को निकालने का बड़ा अभियान शुरू किया गया। भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित आंध्र प्रदेश भवन में विशेष प्रतिनिधि डॉ. अर्जा श्रीकांत के अनुसार, इस बचाव अभियान में 21 लोगों को जिंदा बचा लिया गया है। बचाए गए लोगों में 17 भारतीय पर्यटक, 3 क्रू मेंबर और 1 अटेंडेंट शामिल हैं। इन सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि ज्यादातर लोग खतरे से बाहर हैं, लेकिन दो पर्यटकों की हालत अभी भी बेहद गंभीर बनी हुई है, जिनका इलाज आईसीयू में चल रहा है।

मृतकों की सूची जारी, परिवारों में हड़कंप

इस दर्दनाक हादसे के बाद भारतीय दूतावास ने मृतकों की आधिकारिक सूची भी जारी कर दी है। ▶8पर

दक्षिण भारत की नाइटिंगेल

एस जानकी नहीं रहीं

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण भारत की नाइटिंगेल (कोकिला) के नाम से दुनिया भर में मशहूर और करोड़ों दिलों पर राज करने वाली अनुभवी प्लेबैक सिंगर एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। संगीत की दुनिया में उन्हें लोग बेहद सम्मान और प्यार से 'जानकी अम्मा' कहकर पुकारते थे। उनके जाने से न सिर्फ साउथ सिनेमा बल्कि पूरे भारतीय संगीत उद्योग में शोक की लहर दौड़ गई है।

बेबाक अंदाज और जादुई आवाज की मल्लिका

सुरों की मल्लिका रहीं जानकी अम्मा अपनी बेहतरीन गायकी के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती थीं। साल 2013 में उन्होंने उस वक्त हर किसी को चौंका दिया था, जब उन्होंने देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था। उनका मानना था कि संगीत में उनके लंबे योगदान के हिसाब से उन्हें बहुत पहले ही देश का सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए था। ▶8पर

क्रिप्टो 'हराम' है!

पाक के कट्टर मौलाना का फतवा, ट्रंप की कमाई की प्लानिंग को लगा पलीता

कराची/इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस को एक मौलाना ने हराम घोषित कर दिया है। यहां क्रिप्टोकरेंसी का इकोसिस्टम डेवलप हो ही रहा था कि मजहबी गलियारों में दबदबा रखने वाले एक मौलवी ने इसके खिलाफ फतवा जारी कर दिया और इसे इस्लामी नियमों के तहत हराम करार दे दिया है।

पाकिस्तान के कराची में स्थित दारुल उलूम कराची के प्रमुख इस्लामी विद्वान मुफ्ती मोहम्मद तकी उस्मानी ने क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग को पूरी तरह हराम करार देते हुए बिटकॉइन, एथेरियम, यूएसडीटी समेत सभी स्टेबलकॉइन्स और ब्लॉकचेन टोकन को हराम बताया है। शरीयत के अनुसार इसे संपत्ति न मानते हुए उनके खरीद-बिक्री को

नाजायज बताया गया है। यह फतवा ठीक उसी वक्त सामने आया है जब पाकिस्तान सरकार ट्रंप परिवार की क्रिप्टो कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) के साथ मिलकर डिजिटल एसेट्स को प्रमोट करने की कोशिश कर रही थी। पूंजी की तलाश में मुल्क दर मुल्क भटकते पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर पिछले कुछ दिनों से अपने वर्चुअल एसेट्स सेक्टर को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।मौलाना के इस फतवे से ट्रंप और मुनीर इन दोनों की कमाई की प्लानिंग को तगड़ा पलीता लग सकता है। मुफ्ती मुहम्मद तकी उस्मानी द्वारा जारी किया गया फतवा पाकिस्तान के सबसे सम्मानित सुन्नी इस्लामिक शिक्षण संस्थानों में से माना जाता है और पाकिस्तान की बड़ी आबादी इस पर अमल करती है। कराची के इस मदरसे के अनुसार इस फतवे का समर्थन कई अन्य इस्लामिक विद्वानों ने भी किया है। इस फैसले में क्रिप्टोकरेंसी, क्रिप्टो टोकन और स्टेबलकॉइन शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसी डिजिटल संपत्तियां धन या संपत्ति की इस्लामिक परिभाषा पर खरी नहीं उतरती हैं, इसलिए शरिया के ▶8पर

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार

हम जनता के सामने आपकी पोल खोल देंगे

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में विदेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकारें जमानत का पुरजोर विरोध तो करती हैं, लेकिन मुकदमों की सुनवाई में तेजी नहीं लातीं। अगर यही रवैया रहा, तो वे अदालत में राज्य की पोल खोल देंगे। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ अपहरण और हत्या के मामले में फंसे विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आरोपित पिछले चार सालों से जेल में है। उसने अदालत को बताया कि ट्रायल कोर्ट में उसके मामले की 86 बार तारीख लगी, लेकिन पुलिस ने उसे 53 बार कोर्ट में पेश ही नहीं किया। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए इसे महाराष्ट्र सरकार की गंभीर लापरवाही माना। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

उमर अब्दुल्ला का भाजपा पर पार्टी तोड़ने का बड़ा आरोप

20-30 करोड़ और मंत्री पद का ऑफर

श्रीनगर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। उनका दावा है कि बीजेपी ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक विधायक को 20 से 30 करोड़ रुपये देने का लालच दिया था। साथ ही दल बदलने के एवज में उन्हें मंत्री पद और राज्य का दर्जा बहाल कराने का भरोसा दिया गया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है कि तमाम हथकंडे अपनाने के बाद भी बीजेपी उनके एक भी विधायक को तोड़ नहीं पाई, इसलिए केंद्र सरकार को उनकी शराफत या शांति को कमजोरी समझने की भूल बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। मामला सामने आने के बाद सूबे की सियासत में एक बार फिर भारी गरमागरमी

देखने को मिल रही है। श्रीनगर के हजरतबल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जमकर भड़ास निकाली। मंच से दावा किया कि जम्मू के उनके एक विधायक को सुप्रीम कोर्ट के एक वकील के जरिए बहुत बड़ा प्रलोभन देने की कोशिश की गई थी। इस पूरे ऑफर में 20-30 करोड़ रुपये कैश के साथ-साथ सूबे का पुराना दर्जा वापस दिलाने का भरोसा भी शामिल था। हालांकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों ने इस सौदेबाजी को सिरे से खारिज कर दिया। उनका साफ कहना है कि अगर बीजेपी भविष्य में उनके हर एक नेता को 100 करोड़ रुपये का भी लालच दे, तो भी कोई अपनी पार्टी छोड़कर जाने वाला नहीं है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, रैली के दौरान सीएम उमर ने जम्मू-कश्मीर को दोबारा पूर्ण राज्य का दर्जा देने का मुद्दा बहुत ही आक्रामक अंदाज में उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार के उस पुराने बयान पर तीखा तंज कसा, जिसमें बार-बार उचित समय पर दर्जा बहाल करने की बात कही जाती है। उन्होंने सवाल पूछा कि आखिर वो सही समय कब आएगा, इसका कोई साफ पैमाना तय है क्या? ▶8पर

दतिया उपचुनाव : दो राजघरानों की टक्कर, सिंधिया की प्रतिष्ठा दांव पर

दतिया, 11 जुलाई (एजेंसियां)। दतिया उपचुनाव... पिछले कुछ दिनों से यह नाम बहुत ही ज्यादा चर्चा में है। अब चुनाव के लिए मैदान सज चुका है। बीजेपी और कांग्रेस ने अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया। बीजेपी की तरफ से आशुतोष तिवारी मैदान में हैं, उन्हें नरोत्तम मिश्रा की जगह टिकट मिला है। वहीं कांग्रेस ने घनश्याम सिंह पर दांव लगाया है। वह दतिया राजघराने से ताल्लुक रखते हैं और उनके पास अपार अनुभव है, जिससे वह कांग्रेस की नाव पार लगा सकते हैं। दूसरी तरफ बीजेपी के लिए भी यह चुनाव अब प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। उसने चुनाव जीतने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया को दतिया का प्रभारी बनाया है। वह भी ग्वालियर राज-घराने से आते हैं। अब चुनाव परिणाम कुछ भी हो, इसका असर सिंधिया की छवि पर जरूर पड़ेगा। अब दतिया चुनाव में दो राजघरानों की आपस में

टक्कर देखने को मिलेगी। बीजेपी के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया अब दतिया चुनाव अभियान की कमान संभालेंगे। उनकी पूरे ग्वालियर-चंबल अंचल में बहुत मजबूत राजनीतिक पकड़ मानी जाती है। अभी वह गुना से सांसद हैं और शानदार भाषण देने में माहिर हैं। वह अनुभवी नेता तो हैं ही, इसके अलावा जमीन पर संगठन को सक्रिय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इससे पहले वह क्षेत्र में काफी सक्रिय रहे थे। ▶8पर

मिस्र के रेगिस्तान में मिला 1700 साल पुराना खजाना

18 प्राचीन मकबरों के साथ मिले सोने की जीभ वाले कंकाल

इजिप्ट

मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में पुरातत्वविदों के हाथ एक बहुत बड़ी कामयाबी लगी है। दखला ओएसिस में खुदाई के दौरान चौथी सदी के एक पूरे बीजान्टिन शहर को खोज निकाला गया है, जो अपने आप में कई प्राचीन रहस्य समेटे हुए है। इस खोज के दौरान रिहायशी इमारतों के साथ-साथ एक प्राचीन चर्च, सोने के सिक्के और पुराने बर्तन भी बरामद हुए हैं। यह पूरा प्राचीन शहर उस दौर का है जब मिस्र बीजान्टिन साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था। इसके साथ ही अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलमीन में हुई खुदाई में 18 ऐसे खौफनाक और हैरान करने वाले मकबरे मिले हैं, जिनमें कंकालों के मुंह से सोने की जीभ मिली है। वहां के पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय ने इस असाधारण खोज को इतिहास की एक बड़ी सफलता बताया है।

पुरातत्वविदों के अनुसार, रेगिस्तान के नीचे दबे इस पुराने शहर में व्यवस्थित सड़कें बनी हुई थीं, जो आपस में मिलकर बड़े चौक और सार्वजनिक स्थल बनाती थीं। यह ऐतिहासिक स्थल न्यू वैली प्रांत में स्थित है, जो यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल होने के बेहद करीब है। शहर के मुख्य हिस्से में चौथी सदी के मध्य का एक बड़ा चर्च और सुरक्षा के लिए बने दो ऊंचे वाचटावर मिले हैं। यहाँ मोटी दीवारों वाले मजबूत घर मिले हैं, जिनमें बड़े रिसेप्शन हाल और गुंबददार छतें बनी हुई थीं। इनमें से एक घर चर्च के डीकन टीसस का था, जिसे शुरुआती दौर में चर्च की तरह ही इस्तेमाल किया जाता था। खुदाई में यहां प्राचीन ओवन, रसोई घर और रोमन सम्राट कांस्टेंशियस द्वितीय (शासनकाल 337 से 361 ईस्वी) के समय के सोने के सिक्के मिले हैं। साथ ही मिट्टी के करीब 200 ऐसे टुकड़े मिले हैं, जिनका उपयोग उस दौर में व्यावसायिक लेन-देन के हिसाब-किताब के लिए किया जाता था। दूसरी तरफ, अलेक्जेंड्रिया शहर से करीब 100 किलोमीटर दूर मरीना अल-अलमीन साइट पर खोजे गए 18 मकबरों में से 11 चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं, जो लगभग आठ मीटर गहरे हैं। बाकी 7 मकबरे चूना पत्थर से तैयार किए गए हैं। यह पूरी साइट प्राचीन ग्रीको-रोमन बंदरगाह शहर ल्यूकास्पिस का हिस्सा थी, जो दूसरी से चौथी सदी के बीच बेहद समृद्ध और मशहूर था। इस मिशन के विशेषज्ञों ने बताया कि खुदाई में 2.5 मीटर लंबा एक ग्रेनाइट का ताबूत और उसके पास प्लास्टर से बनी स्फिंक्स की मूर्ति मिली है। इस खोज में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात कुछ कंकालों के मुंह में मिली सोने की जीभ है। प्राचीन मान्यताओं और अंतिम संस्कार की रस्मों के तहत मृतकों के मुंह में सोने के टुकड़े रखे जाते थे, जिसे गोल्डन टंग कहा जाता था। माना जाता था कि इससे मृतक परलोक में देवताओं से बात कर सकते थे।

न्यूज ब्रीफ

उड़ान के दौरान रायनएयर के बोइंग विमान की खिड़की टूटने से यात्री घायल, जांच जारी

एथेंस/बर्लिन। ग्रीस से जर्मनी जा रही रायनएयर के बोइंग 737 विमान की उड़ान के दौरान खिड़की टूटने की घटना सामने आई है। हादसे में खिड़की के पास बैठा एक 61 वर्षीय यात्री घायल हो गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान सुरक्षित रूप से वापस हवाई अड्डे पर उतारा गया, जबकि खिड़की टूटने के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार को ग्रीस के थेसालोनिकी से जर्मनी के मेमिंगेन जा रही फ्लाइट एफआर1879 में हुई, जिसका संचालन माल्टा एयर द्वारा रायनएयर के लिए किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि टेक-आफ के कुछ ही देर बाद विमान में तकनीकी समस्या आई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इंजन से निकले मलबे का एक टुकड़ा विमान के फ्यूजलेज से टकराया और इससे केबिन की एक खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, खिड़की के पास बैठे सर्बिया के 61 वर्षीय यात्री को तेज हवा और दबाव में बदलाव के कारण चोटें आईं। विमान के उतरने के बाद उन्हें सदमे की स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि उन्होंने सीट बेल्ट पहन रखी थी, जिससे वे विमान के बाहर नहीं गिरे। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि उनकी पत्नी ने उनके पैर पकड़ लिए और अन्य यात्रियों की मदद से उन्हें सुरक्षित अंदर खींच लिया गया। घटना के बाद विमान के केबिन में अफरातफरी मच गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में क्षतिग्रस्त खिड़की दिखाई दे रही है। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि केबिन का दबाव कम होने के कारण आक्सीजन मास्क स्वतः नीचे आ गए। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि शुक्रवार सुबह थेसालोनिकी से मेमिंगेन जा रही उड़ान टेक-आफ के कुछ ही देर बाद यात्री की खिड़की टूटने के कारण सुरक्षित रूप से थेसालोनिकी लौट आई।

1100 साल पुराने शिव मंदिर का भारत करेगा कायाकल्प

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया के अपने दौरे के दौरान सदियों पुराने प्रम्बानन मंदिर का भ्रमण किया, जो इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। योग्याकार्ता शहर से करीब 17 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित 1100 साल पुराना यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल अब भारत की सहायता से पुनर्जीवित होगा। दोनों देशों ने इस महत्वपूर्ण प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर काम करने के लिए आशय पत्र का आदान-प्रदान किया है, जो भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के भव्य दृश्यों वाला वीडियो भी साझा किया, जिसे उन्होंने भव्य प्रम्बानन मंदिर! कहकर संबोधित किया। एक अन्य वीडियो में वे मंदिर में प्रार्थना करते हुए भी दिखाई दिए। संयुक्त प्रेसवार्ता में पीएम मोदी ने संरक्षण परियोजना के शुभारंभ को भारत और इंडोनेशिया के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का परिचायक बताया था। दसवीं शताब्दी में निर्मित, यह भगवान शिव को समर्पित सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। इसकी दीवारों पर रामायण महाकाव्य के दृश्यों को खूबसूरती से उकेरा गया है। मंदिर परिसर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश को समर्पित तीन प्रमुख मंदिर हैं, साथ ही इन देवताओं के वाहनों को समर्पित तीन अन्य मंदिर भी हैं।

वेनेजुएला में आए दो भूकंपों से मरने वालों की संख्या पहुंची 4,000 के पार

काराकास। वेनेजुएला में 24 जून को आए विनाशकारी 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है, जबकि 16,740 से अधिक लोग घायल हुए हैं। देशभर में हजारों लोग बेघर हो गए हैं और राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। तुर्किए की समाचार एजेंसी अनाडोलू व अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जार्ज रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 86,794 प्रभावित परिवारों को सहायता पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बचाव दलों ने 6,462 लोगों को सुरक्षित निकाला है। भूकंप से 856 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जबकि 190 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं। राहत कार्यों के तहत अधिकारियों ने 9,766 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री और 1.39 करोड़ लीटर से अधिक पेयजल वितरित किया है। साथ ही 29,966 लोगों को चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई है।

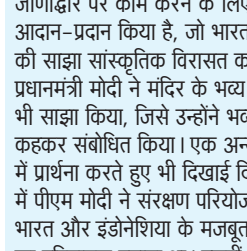

अमेरिका ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की समय-सीमा दी, ओमान वार्ता पर टिकी निगाहें

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने ईरान से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह जहाजों की आवाजाही के लिए खोलने और इस मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किसी भी तरह का हमला न करने की सार्वजनिक घोषणा करने की मांग की है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वाशिंगटन को उम्मीद है कि शनिवार को ओमान में होने वाली वार्ता के बाद तेहरान इस संबंध में सकारात्मक रुख अपनाएगा।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि ईरान स्पष्ट रूप से घोषणा करे कि होर्मुज जलडमरूमध्य के सभी नौवहन मार्ग खुले रहेंगे और वहां से गुजरने वाले जहाजों से किसी प्रकार का टोल नहीं लिया जाएगा। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि दुनिया के लगभग एक-चौथाई समुद्री तेल और एलएनजी (एलएनजी) व्यापार का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

तनाव की जड़ 17 जून को हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन की अलग-अलग व्याख्याओं को लेकर उत्पन्न हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच विवाद उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका तथा खाड़ी देशों ने तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ईरान घोषणा करेगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के सभी चैनल खुले रहेंगे और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाया जाएगा।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यदि ओमान में होने वाली वार्ता के बाद ईरान अपेक्षित रुख नहीं अपनाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। एक अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा, अगर उनका रुख ऐसा नहीं होता, तो यह उनके लिए अच्छा दिन नहीं होगा।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि वार्ता जारी रहेगी, लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि युद्धविराम खत्म हो गया है।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रंप के उस दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि तेहरान ने नए दौर की वार्ता का अनुरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है, तो ईरान उसका जवाबी कार्रवाई के जरिए जवाब देगा।

ईरानी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अरागची शनिवार को ओमान में क्षेत्रीय मध्यस्थों से मुलाकात करेंगे। वहीं, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कहा कि तेहरान अभी भी अमेरिका पर भरोसा नहीं करता और ईरानी राष्ट्र कभी भी दबाव या दमन के आगे नहीं झुकेगा।

गौरतलब है कि, 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद ईरान ने अधिकांश जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से तेहरान सभी जहाजों को उसके निर्देशों का पालन करने और निर्धारित समुद्री मार्गों का उपयोग करने के लिए कहता रहा है।

बीते 17 जून के समझौता ज्ञापन के तहत ईरान ने 60 दिनों तक वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करने तथा भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रशासन को लेकर ओमान के साथ आगे की बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी।

एआई के कारण बिजली और पानी की खपत हो सकती है दोगुनी : यूएन

कैलिफोर्निया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों का कहना है कि एआई माडल को संचालित करने वाले विशाल डेटा सेंटरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी और बिजली की आवश्यकता होती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई कंपनियों से बिजली, पानी और भूमि के उपयोग का विस्तृत विवरण मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेष के अनुसार, यदि एआई का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो आने वाले चार वर्षों में इससे जुड़ी बिजली और पानी की खपत लगभग दोगुनी हो सकती है। एआई आधारित सेवाओं जैसे चैटबाट या अन्य डिजिटल प्लेटफार्म पर पूछे गए प्रत्येक प्रश्न के पीछे हजारों उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर सर्वर काम करते हैं। इन सर्वरों के लगातार सक्रिय रहने से अत्यधिक गर्मी पैदा होती है, जिसे नियंत्रित करने के लिए विशेष कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि डेटा सेंटरों में पानी का उपयोग मुख्य रूप से दो तरीकों से होता है। पहला, सर्वरों को ठंडा रखने के लिए कूलिंग टावरों के माध्यम से पानी का इस्तेमाल किया जाता है, जहां पानी गर्मी सोखकर भाप बन जाता है। दूसरा, डेटा सेंटरों को बिजली उपलब्ध कराने वाले बिजलीघरों में भी शीतलन प्रक्रिया के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार एआई की पानी की खपत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में होती है। यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, रिवरसाइड सहित विभिन्न शोधों के अनुसार, एआई से 10 से 50 सामान्य प्रश्न पूछने पर औसतन लगभग 500 मिलीलीटर यानी आधा लीटर पानी खर्च हो सकता है। इसका अर्थ है कि एक सामान्य प्रश्न के उत्तर के लिए लगभग 10 से 50 मिलीलीटर पानी की आवश्यकता पड़ सकती है। देखने में यह मात्रा कम लगती है, लेकिन जब दुनिया भर में प्रतिदिन करोड़ों लोग एआई सेवाओं का उपयोग करते हैं तो कुल पानी की खपत लाखों-करोड़ों लीटर तक पहुंच जाती है।

मेरी हत्या की कोशिश हुई तो ईरान को मिलेगा करारा जवाब : ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी हत्या की कोशिश की जाती है, तो अमेरिका इसका सख्त जवाब देगा। ट्रंप ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर जारी एक पोस्ट में दिया।

रूस की अंतरराष्ट्रीय टीवी नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के मुताबिक ट्रंप ने दावा किया कि यदि ईरान उनकी हत्या या हत्या के प्रयास जैसी किसी कार्रवाई को अंजाम देता है, तो अमेरिकी सेना को पहले से ही आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसी किसी भी स्थिति में निर्णायक सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इस्लामिक रिपब्लिक आफ़ ईरान पर 1000 मिसाइलें लाक और लोड करके तैनात की गई हैं और हज़ारों और मिसाइलें तुरंत दागी जा सकती हैं, अगर ईरानी सरकार दुनिया भर में कई जगहों पर दी गई अपनी उस धमकी पर अमल करती है जिसमें अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति - यानी मैं! - की हत्या या हत्या की कोशिश करने की बात कही गई है। हालांकि, उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

इस बीच, ईरानी अधिकारियों की ओर से ट्रंप की हत्या की किसी आधिकारिक धमकी की पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, हाल के दिनों में ईरान में आयोजित कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान ट्रंप विरोधी नारे और पोस्टर देखे जाने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल ने अमेरिका को ट्रंप के खिलाफ कथित संभावित खतरे को लेकर आगाह किया था। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

गौरतलब है कि, हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर दोनों देशों के बीच बयानबाज़ी भी तेज़ हो गई है।

दूसरी ओर, अमेरिका और इज़राइल ने अपने बमबारी अभियान के दौरान ईरान के दर्जनों वरिष्ठ अधिकारियों और सैन्य कमांडरों को मार गिराया, जिनमें देश के लंबे समय से सर्वोच्च नेता रहे अली खामेनेई भी शामिल थे, जो 28 फरवरी को तेहरान में अपने परिसर पर हुए एक लक्षित हमले में मारे गए थे।

गाजा संघर्ष विराम लागू कराने के लिए लेबनान जाएगा अमेरिकी सैन्य दल

वाशिंगटन/बेरूत। इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम समझौते को लागू करने की दिशा में अमेरिका सक्रिय भूमिका निभा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सैन्य सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) का एक प्रतिनिधिमंडल आने वाले दिनों में लेबनान की राजधानी बेरूत का दौरा कर सकता है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि दो वरिष्ठ लेबनानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह यात्रा अगले सप्ताह रोम में लेबनान और इज़राइल के बीच प्रस्तावित तकनीकी वार्ता से पहले हो सकती है। बताया गया है कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य 26 जून को हुए अमेरिका समर्थित फ़्रेमवर्क समझौते को लागू करना होगा, जिसके तहत लेबनानी क्षेत्र से इज़राइली सेना की चरणबद्ध वापसी का प्रावधान है। अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि सेंटकाम तकनीकी और लाजिस्टिक स्तर पर दोनों पक्षों के साथ करीबी समन्वय बनाए हुए है। हालांकि, उन्होंने प्रतिनिधिमंडल की संभावित यात्रा पर कोई आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। प्रवक्ता ने कहा कि फ़्रेमवर्क समझौता अब कार्यान्वयन के चरण में पहुंच चुका है और पहला पायलट ज़ोन जल्द शुरू होने की उम्मीद है। साथ ही अन्य क्षेत्रों की मैपिंग और योजना पर भी काम जारी है।

सूरज में उठा खतरनाक और महा-विनाशकारी एक्स-क्लास सौर तूफान

मास्को

एक जुलाई की रात को सूरज में अब तक का सबसे खतरनाक और महा-विनाशकारी एक्स-क्लास सौर तूफान उठा है, जो अपनी शक्ति और तीव्रता के लिए जाना जाता है। विज्ञान की रेटिंग में इससे ज्यादा तबाही मचाने वाला और कोई विस्फोट हो ही नहीं सकता। सूरज की सतह पर एक के बाद एक भयानक धमाके हो रहे हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चिंता में डाल दिया है। इस खौफनाक घटना के बाद से ही दुनिया भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के हाथ-पांव फूल गए हैं और पृथ्वी पर इसके पड़ने वाले जानलेवा असर को लेकर एक बड़ा अलर्ट जारी कर दिया गया है। रशियन एकेडमी आफ साइंसेज की सोलर लैबोरेट्री ने इस बात पर मुहर लगा दी है कि ये प्रचंड विस्फोट आधी रात के आस-पास रिकार्ड हुआ था। इन सौर तूफानों को उनकी ताकत और विनाशकारी क्षमता के हिसाब से ए, बी, सी, एम और एक्स कैटेगरी में बांटा जाता है। इसमें हर अगला लेवल पिछले वाले से 10 गुना ज्यादा खतरनाक होता है और इस लिस्ट में सबसे टाप पर आने वाला एक्स-क्लास ही होता है, जो सीधे तौर पर धरती को बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जब भी सूरज में इतना बड़ा एक्स-क्लास का धमाका होता है तो उसके साथ भारी मात्रा में दहकते हुए प्लाज्मा के विशाल बादल अंतरिक्ष में तैरने लगते हैं।

चार्ज्ड पार्टिकल्स का ये जानलेवा सैलाब जब सीधे हमारी धरती के वायुमंडल से टकराएगा तो यहां एक भयानक मैग्नेटिक तूफान तबाही मचा सकता है, जिससे हमारे आधुनिक जीवन पर गंभीर असर पड़ेगा। इस तूफान का सीधा और भयावह असर ये होगा कि दुनिया भर के सैटेलाइट्स और जीपीएस काम करना बंद कर देंगे, जिससे मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट पल भर में ठप हो जाएगा।

यही नहीं, कई देशों के पावर ग्रिड फेल होने से पूरी दुनिया में अचानक घोर अंधेरा छा सकता है, जिसकी वजह से अरबों लोगों की जिंदगी पूरी तरह थम जाएगी, और रोजमर्रा के कामकाज ठप पड़ जाएंगे। हैरानी की बात तो ये है कि इस महा-धमाके से ठीक एक दिन पहले यानी 30 जून को भी सूरज ने अपनी आखें दिखाई थीं। उस दिन सूरज की सतह पर बैक-टू-बैक तीन बार एम-क्लास यानी दूसरे सबसे बड़े स्तर का सौर तूफान उठा था। चौबीस घंटे के भीतर सूरज का इस तरह बार-बार भड़कना साफ गवाही दे रहा है कि वह इस समय अपने सबसे खतरनाक दौर से गुजर रहा है और आने वाले समय में और भी तीव्र घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। इसी बीच बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के स्पेस वैज्ञानिकों ने एक और होश उड़ाने वाला खुलासा किया है।

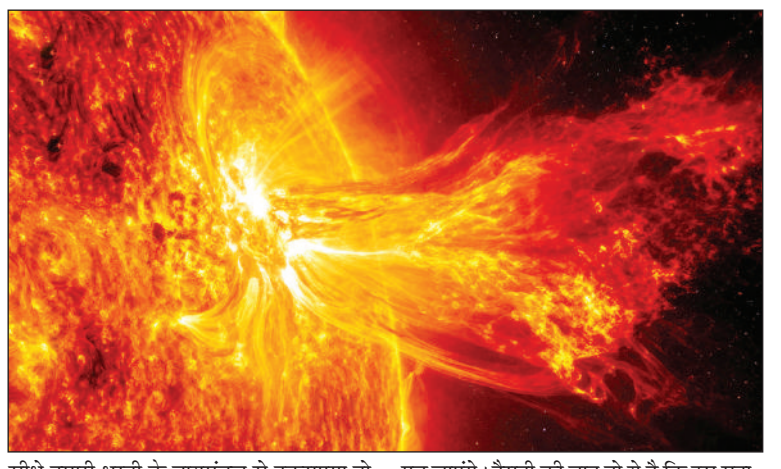

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों की संपत्ति जांच पर रोक लगाई

काठमांडू

नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों के संपत्ति की जांच पर अंतरिम रोक लगा दिया है। कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों को उनकी संपत्ति विवरण सौंपने के लिए मजबूर न करने का अंतरिम आदेश संपत्ति जांच आयोग के नाम जारी किया है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश टेकप्रसाद ढुंगाना और श्रीकांत पौडेल की पीठ ने आदेश दिया है कि जिन व्यक्तियों पर संविधान की धारा 239 आकर्षित होती है, उनकी संपत्ति के विवरण को यथास्थिति में रखा जाए। अदालत ने आयोग के गठन के संवैधानिक औचित्य और उसके अधिकार क्षेत्र पर तीन गंभीर सवाल उठाते हुए इस मामले को पूर्ण पीठ (फुल बेंच) के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है।

उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीशों सहित उन सभी संवैधानिक पदाधिकारियों को संपत्ति का विवरण देने के लिए मजबूर न करने का अंतरिम आदेश दिया है, जिन्हें केवल महाभियोग के माध्यम से ही पद से हटाया जा सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि जब तक पूर्ण पीठ द्वारा अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक किसी को भी संपत्ति का विवरण पेश करने के लिए मजबूर न किया जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया है कि उनके द्वारा अब तक पेश किए गए संपत्ति के विवरण की जांच किए बिना उसे यथास्थिति में रखा जाए और किसी के भी खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश न की जाए।

यह आदेश पदाधिकारियों और सैन्य अधिकारियों के अलावा अन्य लोगों पर संपत्ति की जांच करने से नहीं रोकेगा। आयोग ने जुलाई मध्य तक संपत्ति का विवरण सौंपने की सूचना जारी की है, जिसके बाद संपत्ति की जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

उच्चतम न्यायालय ने यह निष्कर्ष निकाला है कि इनमें गंभीर और जटिल संवैधानिक तथा कानूनी प्रश्न शामिल हैं। अब गठित होने वाली पूर्ण पीठ इन सवालों पर ध्यान केंद्रित करेगी और न्यायिक व्याख्या के साथ-साथ संपत्ति जांच आयोग के गठन के औचित्य और उसके अधिकार क्षेत्र पर फैसला सुनाएगी।

आमतौर पर उच्चतम न्यायालय में पूर्ण पीठ में तीन न्यायाधीश होते हैं। यदि पूर्ण पीठ को भी लगता है कि इसमें और अधिक गंभीर या संवैधानिक व्याख्या की आवश्यकता है, तो इस मामले को पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की वृहद पूर्ण पीठ के समक्ष पेश किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होगें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुःखी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 जुलाई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:32 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 08:32 तक
योग : वृद्धि रात्रि 08:05 तक
करण : गर दोपहर 12:21 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 07:07 तक
सूर्योदय : 05:49,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा रात्रि 10:31 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बिहार की विरासत से युवाओं को जोड़ने का अभियान
वर्ल्ड हेरिटेज ओलिंपियाड–2026 का शुभारंभ

पटना, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से वर्ल्ड हेरिटेज ओलिंपियाड–2026 के शुभारंभ के अवसर पर गया कॉलेज के प्रेमचंद सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक एवं लेट्स इंस्पायर बिहार के मुख्य संरक्षक विकास वैभव ने कहा कि प्राचीन काल में सैकड़ों वर्षों तक बिहार सम्पूर्ण भारत के ज्ञान, संस्कृति और सुशासन का केंद्र रहा है। आज भी राज्य के अनगिनत धरोहर स्थल उसके गौरवशाली इतिहास के साक्षी हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी समृद्ध विरासत से प्रेरणा लेकर उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड हेरिटेज ओलिंपियाड केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का प्रभावी जन–जागरण अभियान है। उन्होंने बिहार के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से बड़ी संख्या में इसमें भाग लेने की अपील करते हुए आइए, मिलकर प्रेरित करें बिहार का संदेश दिया।

ओलिंपियाड के प्रेसिडेंट डॉ. अनंताशुतोष द्विवेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है, जबकि पुरस्कार वितरण समारोह विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवंबर) के दौरान आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विद्यालय, महाविद्यालय, जिला एवं राज्य स्तर के टॉपर्स के साथ–साथ उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों, प्राचार्यों तथा हेरिटेज कॉर्डिनेटर्स को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के गांवों में हजारों ऐतिहासिक धरोहर स्थल मौजूद हैं, जिनकी जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

गया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गया कॉलेज के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि वर्ल्ड हेरिटेज ओलिंपियाड–2026 का शुभारंभ इसी संस्थान से हो रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय के अधिकाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

गया जिला ओलिंपियाड समन्वयक धीरेन्द्र केशरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए ओलिंपियाड के उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आकाश गिरी एवं आभाष कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर टिकारी ओलिंपियाड समन्वयक हिमांशु शेखर, धरोहर मित्र आशी प्रीत, मखदुमपुर के हेरिटेज कॉर्डिनेटर कुंदन प्रभाकर सहित लेट्स इंस्पायर बिहार के अनेक समन्वयक, शिक्षाविद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छात्र संसद का गठन, पद्मश्री डॉ. जीवी राव हुए सम्मानित

अलंकरण समारोह 2026 में छात्र नेताओं ने ली शपथ

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद पब्लिक स्कूल, रामंतपुर ने शैक्षणिक वर्ष 2026 के लिए अपने नवनिर्वाचित छात्र नेताओं और प्रीफेक्ट्स के लिए एक भव्य अलंकरण समारोह का आयोजन किया। यह समारोह स्कूल द्वारा जिम्मेदार और आत्मविश्वासी युवा नेतृत्व तैयार करने की प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्मश्री से नवाजे गए एआईजी हॉस्पिटल्स के निदेशक व सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. जी. वी. राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एचप–ीएस रामंतपुर ने अपने इस प्रतिष्ठित पूर्व छात्र को पद्मश्री पुरस्कार मिलने पर विशेष रूप से सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. जी. वी. राव ने छात्रों को प्रेरित किया कि वे जिम्मेदारी को विनम्रता के साथ स्वीकार करें और नेतृत्व को दूसरों की सेवा करने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने भविष्य के नेताओं को आकार देने में अनुशासन, करुणा, दृढ़ता और नैतिक निर्णय लेने के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए डॉ. राव ने कहा कि उनके चरित्र, मूल्यों और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को गढ़ने में एचपीएस ने एक अमूल्य भूमिका निभाई है। उन्होंने मातृसंस्था से मिले इस सम्मान को अपने जीवन के सबसे सार्थक सम्मानों में से एक बताया। समारोह की शुरुआत औपचारिक शपथ ग्रहण के साथ हुई, जहाँ नवनियुक्त हेड बॉय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन, डिप्टी कैप्टन और प्रीफेक्ट्स ने संस्थान की परंपराओं को बनाए रखने और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया।

एचपीएस सोसाइटी के अध्यक्ष श्री गुस्ती जे. नोरिया ने डॉ. राव को बधाई देते हुए कहा कि यह पद्मश्री पुरस्कार उनकी उत्कृष्ट व्यावसायिक उत्कृष्टता और समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा का एक उचित सम्मान है।

इस अवसर पर बोलते हुए हैदराबाद पब्लिक स्कूल, रामंतपुर के प्रिंसिपल डॉ. एस. नरसिम्हा रेड्डी ने कहा, हमारे यहाँ नेतृत्व का मतलब केवल एक पद संभालना नहीं, बल्कि ईमानदारी, सहानुभूति और सेवा के माध्यम से दूसरों को प्रेरित करना है। हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि डॉ. जी. वी. राव ने हमारे छात्रों को प्रेरित किया।

हमें पूरा विश्वास है कि हमारे नवनिर्वाचित छात्र नेता स्कूल की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

समारोह का समापन स्कूल प्रबंधन, स्टाफ, छात्रों और पूर्व छात्रों द्वारा डॉ. राव को स्मृति चिह्न भेंट करने और बधाई देने के साथ हुआ।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद ने निभाई मानव सेवा की परंपरा

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में पावन एकादशी के अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को श्रद्धा, प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने इसे मानवता की सच्ची सेवा बताते हुए समाज में सेवा, करुणा और सहयोग का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान सुभाष अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

सभी ने एक स्वर में कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ पुण्य है। उन्होंने समाज के सभी सक्षम लोगों से भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर सहयोग देने का आह्वान किया।

अंत में सभी सदस्यों ने राधे रानी के श्रीचरणों में प्रार्थना करते हुए संकल्प लिया कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की यह मानव सेवा की अविरल धारा भविष्य में भी इसी समर्पण, श्रद्धा और निस्वार्थ भावना के साथ निरंतर जारी रहेगी।

मंचेरियाल में चेन्नई–भगत की कोठी ट्रेन के ठहराव की मांग, प्रवासियों ने जताई नाराजगी

मंचेरियाल, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों को राजस्थान जाने के लिए बल्लारशाह, कागजनगर या नागपुर जाना पड़ता है। प्रवासियों ने हाल ही में शुरू हुई 20626/20625 चेन्नई–भगत की कोठी ट्रेन के मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग को लेकर कई प्रयास किए।

प्रवासियों ने पहले स्टेशन मास्टर से संपर्क किया, फिर सिकंदराबाद स्थित रेलवे जीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। महीनों बीतने के बाद भी कोई निर्णय नहीं आया। जीएम के मंचेरियाल दौरे पर भी यही जवाब मिला कि प्रक्रिया चल रही है और सांसद की अनुशंसा लाने को कहा गया।

सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने पत्र देकर मदद का आश्वासन दिया। प्रवासियों ने वह पत्र जीएम कार्यालय में दिया, लेकिन फिर भी ठहराव नहीं मिला। इसके बाद भाजपा नेता वेराबेली रघुनाथ से भी गुहार लगाई गई।

प्रवासी कृष्णा सोलंकी, शांतिलाल माली, अशोक परमार, डूंगर राम देवासी, जेनाराम, पुखराज गहलोत, राजू माली सहित अन्य प्रवासियों ने नेताओं पर झूठे वादों का आरोप लगाया।

आज भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली ने हैदराबाद दौरे पर आए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर ठहराव की मांग का ज्ञापन सौंपा।

मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने किए कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी के दर्शन

पेद्दापल्ली, 11 जुलाई (शुभ लाभ)। तेलंगाना के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने शुक्रवार को जगतियाल जिले के प्रसिद्ध कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर का दौरा किया।

मंदिर पहुंचने पर अधिकारियों और पुजारियों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। मंत्री ने श्री अंजनेयस्वामी एवं क्षेत्र शासक श्री बेतालस्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा–अर्चना की। इस दौरान पुजारियों ने वेद मंत्रों से उन्हें आशीर्वाद दिया। मंत्री ने मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंदिर निरीक्षक चेकिला अशोक, राजेंद्र रेड्डी, सहायक सूचना अधिकारी संदीप ए और रमना रेड्डी भी उपस्थित थे।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए एसआईआर प्रक्रिया की जागरूकता जरूरी : वमसी कृष्णा

आसिफाबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ)। पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जनता को जागरूक होना आवश्यक है। शुक्रवार को आसिफाबाद के ओडापल्ली गार्डन में आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम में सांसद वामसी कृष्णा ने मंत्री जुपाली कृष्णा राव के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि मतदाता पंजीकरण, विवरण सत्यापन, संशोधन और पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना एसआईआर का मुख्य उद्देश्य है।

सांसद ने लोगों से अपील की कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और अफवाहों से बचें। उन्होंने कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है, जिसकी रक्षा हर पात्र नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, महिलाएं, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मदनूर तहसीलदार कार्यालय जर्जर, नए भवन के लिए जगह का निरीक्षण

मदनूर, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तहसीलदार एम.डी. मुजीब ने शनिवार को प्रेस मीट में बताया कि मदनूर मंडल केंद्र स्थित 80 साल पुराना राजस्व कार्यालय भवन जर्जर हो चुका है। इसके कारण राजस्व सेवाएं, चुनाव कार्य और आपूर्ति व्यवस्था में कठिनाई आ रही है। उन्होंने कहा कि भवन को गिराने का कार्य जारी है। इसकी सूचना जिला कलेक्टर को दी गई थी, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए नए भवन की मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। तहसीलदार ने इसके लिए जिला कलेक्टर का आभार जताया।

एम.डी. मुजीब ने बताया कि राज्य सरकार तेलंगाना में जर्जर और किराए के भवनों की जगह 125 नए तहसीलदार कार्यालय और 11 आरडीओ कार्यालयों का निर्माण कर रही है। मदनूर मंडल का इस परियोजना में शामिल होना गर्व की बात है। आज नए तहसील कार्यालय के निर्माण के लिए जगह का निरीक्षण किया गया।

एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पेद्दापल्ली, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त करीमनगर जिला बीअ–ारएस पार्टी द्वारा शनिवार को करीमनगर के राजश्री गार्डन में एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी, बीआरएस राज्य एसआईआर समिति प्रभारी एल. रमना, वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी, पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर, करीमनगर विधायक गंगुला कमलाकर और कोरुटला विधायक डॉ. कलवाकुंतला संजय शामिल हुए। एसआईआर समिति सदस्य सतीश रेड्डी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण, आवेदन प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। नेताओं ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर पात्र मतदाता का नाम सूची में जुड़वाना सुनिश्चित करें। पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र से बड़ी संख्या में बीआरएस नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

विधायक ने कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर के नए मुख्य द्वार का किया उद्घाटन

पेद्दापल्ली, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने शनिवार को जगतियाल जिले के प्रसिद्ध कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर के नवनिर्मित मुख्य द्वार का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उद्घाटन किया।पुराना द्वार जर्जर होने के कारण मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा और मंदिर की शोभा बढ़ाने के लिए नए द्वार का निर्माण कराया। उद्घाटन से पूर्व वैदिक पंडितों द्वारा विशेष पूजा–अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी, हरिहरनाथ, अधीक्षक चंद्रशेखर, सुनील, मंदिर निरीक्षक अशोक, पुज–ारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

श्रृंग ऋषि भवन में उज्जैन से नगर पधारे सिखवाल समाज की मासिक पत्रिका 'श्रृंगी जगत' के प्रमुख संपादक प्रवीण भट्ट 'तुकार' तिवारी एवं अजमेर निवासी उत्तर–पश्चिम रेलवे के पूर्व मुख्य बुकिंग सुपरवाइजर प्रकाश पाण्डे का सिखवाल प्रगति समाज ने शाल व माला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर रामदेव नागला, ब्रिजेश तिवारी, अनिल जायलवाल, रंगलाल ओझा, संदीप जायलवाल, मधुसूदन व्यास, संदीप पंडित, अमर जायलवाल व श्रीनिवास नागला उपस्थित थे।

पैर छुना महत्वपूर्ण परंपरा है और आज भी इसका पालन काफी लोग करते हैं। इस परंपरा के संबंध में कई नियम भी हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक, दोनों ही कारण बताए गए हैं। जब भी कोई व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, आपके पैर छुए तो उन्हें आर्शीवाद तो देना चाहिए, साथ ही भगवान का नाम भी लेना चाहिए।

जानिए जब कोई आपके पैर छुए तो आपको क्या-क्या करना चाहिए

किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

पुराने समय से ही परंपरा चली आ रही है कि जब भी हम किसी विद्वान व्यक्ति या उम्र में बडे व्यक्ति से मिलते हैं तो उनके पैर छुते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यह बात तो सभी जानते हैं कि बडों के पैर छुना चाहिए , लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि जब कोई हमारे पैर छुए तो हमें क्या करना चाहिए।

आमतौर पर हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारा पैर किसी को ना लगे। ऐसा होने पर हमें दोष लगता है और जब कोई हमारे पैर छुता है तब भी हमें दोष लगता है। अत: इस दोष से बचने के लिए यहां दिए गए उपाय अवश्य करना चाहिए।

इस श्लोक का अर्थ यह है कि जो व्यक्ति रोज बडे-बुजुर्गों के सम्मान में प्रणाम और चरण स्पर्श करता है। उसकी उम्र, विद्या, यश और शक्ति बढती जाती है।

जब भी कोई हमारे पैर छूता है तो उस समय भगवान का नाम लेने से पैर छूने वाले व्यक्ति को भी सकारात्मक फल मिलते हैं। आशीर्वाद देने से पैर छूने वाले व्यक्ति की समस्याएं खत्म होती हैं, उम्र बढती है और नकारात्मक शक्तियों से उसकी रक्षा होती है। हमारे द्वारा किए गए शुभ कर्मों का अच्छा असर पैर छुने वाले व्यक्ति पर भी होता है। जब हम भगवान को याद करते हुए किसी को सच्चे मन से आशीर्वाद देते हैं तो उसे लाभ अवश्य मिलता है। किसी के लिए अच्छा सोचने पर हमारा पुण्य भी बढता है।

पैर छूना या प्रणाम करना, केवल एक परंपरा नहीं है, यह एक वैज्ञानिक क्रिया है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुडी है। पैर छूने से केवल बडों का आशीर्वाद ही नहीं मिलता, बल्कि बडों के स्वभाव की अच्छी बातें भी हमारे अंदर उतर जाती है। पैर छूने का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे शारीरिक कसरत होती है। आमतौर पर तीन तरीकों से पैर छुए जाते हैं। पहला तरीका- झुककर पैर छूना। दूसरा तरीका- घुटने के बल बैठकर पैर छूना। तीसरा तरीका- साष्टांग प्रणाम करना।

क्या है फायदे

शास्त्रों में लिखा है कि-
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन:।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्म।

झुककर पैर छूना- झुककर पैर छूने से हमारी कमर और रीढ की हड्डी को आराम मिलता है।

घुटने के बल बैठकर पैर छूना- इस विधि से पैर छूने पर हमारे शरीर के जोडों पर बल पडता है, जिससे जोडों के दर्द में राहत मिलती है।

साष्टांग प्रणाम- इस विधि में शरीर के सारे जोड थोडी देर के लिए सीधे तन जाते हैं, जिससे शरीर का स्ट्रेस दूर होता है। इसके अलावा, झुकने से सिर का रक्त प्रवाह व्यवस्थित होता है जो हमारी आंखों के साथ ही पूरे शरीर के लिए लाभदायक है। पैर छूने के तीसरे तरीके का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे हमारा अहंकार खत्म होता है। किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

शादी के बाद इन उपायों से मिलेगी समृद्धि और शांति

हिंदू धर्म में विवाह को पवित्र संस्कार माना गया है। जिस तरह विवाह न होने की दशा में वास्तु उपाय आजमाते हैं, ठीक उसी तरह विवाह के बाद भी वास्तु उपाय आजमाए जाएं तो वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा। इसके लिए आसान से उपाय हैं जो कोई भी विवाहित व्यक्ति आजमा सकता है। श्रावण माह 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। ऐसे में भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरूम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुडी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है। बेहतर है प्राकृतिक सौंदर्य दर्शाने वाली तस्वीर लगाएं। इससे मन को शांति मिलती है, पति-पत्नी में झगडे नहीं होते।

परिवार में लडाई-झगडों से बचने के लिए ड्रॉइंग रूम यानी बैठक में गुलाब, मोगरा जैसे फूलों का गुलदस्ता लगाएं। ऐसे में आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। ऐसे कपल जिनकी अभी नई शादी हुई है उनके बेडरूम उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यह दिशा वायु देवता की है। इस दिशा में बना शयन कक्ष नवदंपत्ति के बीच होने वाला संपर्क बेहतर बनाएगा। यानी उनके संबंधों को और उत्तेजक व सुखमय बना देगा। ध्यान रखें कि युगल इस दिशा में बने शयन कक्ष को थोडे समय के लिए ही इस्तेमाल करें, क्योंकि यह दिशा अस्थिरता की दिशा है। लंबे समय तक इस सयन कक्ष का प्रयोग किया जाना उनके संबंध में अस्थिरता पैदा कर सकता है। वास्तु के अनुसार, विवाहित जोडे का शयन कक्ष दक्षिण अथवा दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए। इससे उनके बीच स्थायी संबंध रहता है।

भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरूम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुडी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है।

क्या आप जानते हैं बौध धर्म के उदेश्य क्या है

बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो।

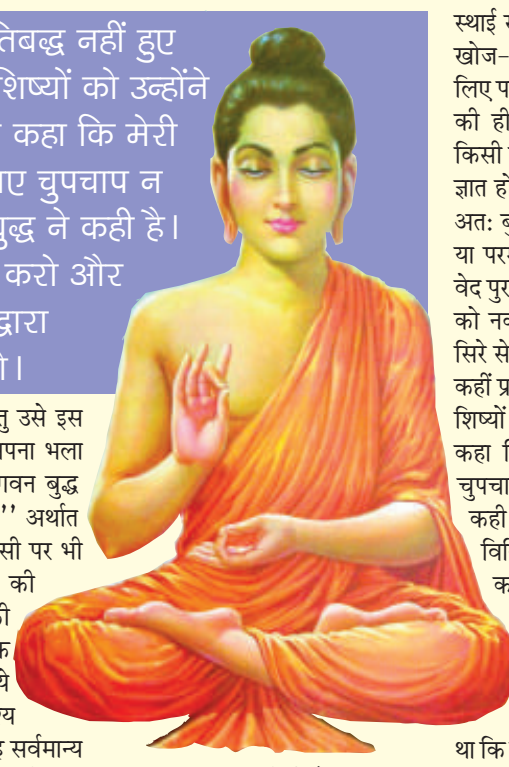

हम अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अत: सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है।

भागवान बुद्ध ने कहा है :- ''किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये सदियों से चली आ रही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे बुजुर्गो ने कही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे लोगो ने कही हैं,किसी चीज को मानने से पहले यह सोचो की क्या ये सही हैं,किसी चीज को मानने से पहले ये सोचो की क्या इससे आप का विकास संभव है, किसी चीज को मानने से पहले उसको बुद्धि की कसोटी पर कसो और आप को अच्छा लगे तो ही मानो नहीं तो मत मानोज।''

अन्य धर्मों की तरह बौध धर्म/धम्म का उदेश्य किस ईश्वर और उसकी किताब के बहाने सामाजिक संगठन बनाकर व्यक्ति को ईश्वरर भरोसे छोडना नहीं है अपितु उसे इस लायक बनाना है की वो अपना भला खुद कर सके इसीलिए भगवन बुद्ध कहते हैं ''अत: दीपो भव'' अर्थात अपना दीपक खुद बनो किसी पर भी निर्भर न रहो। बौद्ध धम्म की उत्पति ही इसलिए हुई की प्रत्येक व्यक्ति मनोवैज्ञानिक रूप से इस काबिल बन जाये की वो नेतिकता के मूल उदेश्य को समझ सके, क्योंकि यह सर्वमान्य है की एक व्यक्ति में सभी कुछ योग्यता होती है। बस इस योग्यता को बहार किस प्रकार से या किस माध्यम से निकाला जाये यह मुख्य है। और सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो इस योग्यता को बाहर निकलती है।

मनुष्य जिन दु:खों से पीडित है, उनमें बहुत बडा हिस्सा ऐसे दु:खों का है, जिन्हें मनुष्य ने अपने अज्ञान, गलत ज्ञान या मिथ्या दृष्टियों से पैदा कर लिया हैं उन दु:खों का प्रहाण अपने सही ज्ञान द्वारा ही सम्भव है, किसी के आशीर्वाद या वरदान, देवपूजा,यग,ब्रहमणि कर्मकांडों, ज्योतिष आदि से उन्हें दूर नहीं किया जा सकता। सत्य या यथार्थता का ज्ञान ही सम्यक ज्ञान है। हम अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अत: सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है। खोज अज्ञात सत्य की ही की जा सकती है,यदि सत्य किसी शास्त्र, आगम या उपदेशक द्वारा ज्ञात हो गया है तो उसकी खोज नहीं। अत: बुद्ध ने अपने पूर्ववर्ती लोगों द्वारा या परम्परा द्वारा बताए सत्य को और वेद पुराण जैसे हर काल्पनिक धर्म ग्रंथों को नकार दिया और अपने लिए नए सिरे से सत्य की खोज की। बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो। जीवन की कसौटी पर उन्हें परखो, अपने अनुभवों से मिलान करो, यदि तुम्हें सही जान पडे तो स्वीकार करो, अन्यथा छोड दो। यही कारण था कि उनका धर्म रहस्याडम्बरों से मुक्त, मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत एवं हदय को सीधे स्पर्श करता था। संसार में केवल गौतम बुद्ध का सिद्धांत ही ऐसा है तो हर युग में हर परिस्थिथि में एक सा ही लाभकारी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बौध धम्म में ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं होता जिसका प्रमाण उपलब्ध न हो, यही बौध धम्म का सार है।

क्या है हिन्दू धर्म में पूजा के कमरे का महत्व

शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है। ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है।

हर एक हिन्दू घर में आप एक पूजा का कमरा जरूर पाएंगे। अगर आप जिंदगी के थपेडे झेलते हुए अपने अंदर को टटोलना चाहते हैं तो एक जगह बेहद जरूरी है जो सिर्फ पूजा के लिए हो। हिन्दू धर्म में पूजा की अलग जगह बनाने को मान्यता दी गई है। घर में एक पूजा का कमरा होने मात्र से जो लोग घर में रह रहे होते हैं उनको यह प्रतीत होता है कि भगवान असल में मालिक हैं और हम तो सिर्फ देखभाल करने के लिए हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर इस बात पर विचार किया जाए तो आप वेदांत के आसक्ति के सिद्धांत पर विश्ववास करने लगेंगे।

इससे आप निष्पक्ष हो जाएंगे और अपने कर्तव्य अलिप्त होकर पर बिलकुल मन से कर पाएंगे। सहभागिता इस बात को समझने से आती है कि किया जाने वाला काम अपना है। जिंदगी तब काफी आसान हो जाती है और यह एक नदी की तरह हो जाती है जो राह में बाधा आने पर भी बिना किसी थकान के समुद्र में मिल जाती है। जब आप शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है।

ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है। अगर आप मन करते हैं दिल के बोझ को हल्का करता है और श्रद्धालु की श्रद्धा को बढाता है। अगर अहम की वजह से आप भगवान को घर का मालिक नहीं मान सकते तो कम से कम अपने घर का सबसे प्रमुख गेस्ट तो मान ही सकते हैं। घर में पूजा का कमरा होने से भगवान से आपका भावुक बंधन बनता है। वह सर्व वयापक हैं और आपके घरों में भी रहते हैं। इसलिए पूजा के कमरे को इंसान की आध्यात्मिक यात्रा का द्वार भी माना गया है।

भगवान महावीर स्वामी के अनमोल विचार

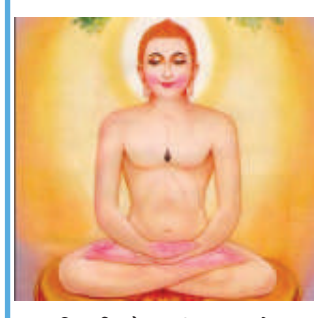

किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को इनका जन्म हुआ। इनका बचपन का नाम 'वर्धमान' था।

यदि कभी किसी का भला किया हो तो उसे भूल जाओ। और कभी किसी ने आपका बुरा किया हो तो उसे भूल जाओ। किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। स्वयं से लडो, बाहरी दुश्मन से क्या लडना। जो स्वयं पर विजय कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी। असली शत्रु आपके भीतर रहते हैं, वो शत्रु हैं क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति और नफरत। खुद पर विजय प्राप्त करना लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है। किसी आत्मा की सबसे बडी गलती अपने असली रूप को न पहचानना है, और यह केवल आत्म ज्ञान प्राप्त कर के ठीक की जा सकती है।

स्वास्तिक शब्द का मतलब है सौभाग्य

संस्कृत में स्वास्तिक शब्द का मतलब सौभाग्य है। स्वास्तिक को विश्व के कई देशों में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इन देशों के लिए स्वास्तिक के चिन्ह का अपना एक अलग अर्थ और महत्व रहा है।

वहीं भारत में इस चिन्ह को भगवान गणेश और लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि यहां किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले इसे पूजा की जगह पर चिन्हित किया जाता है। चार हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता में भी स्वास्तिक के प्रमाण मिलते हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्वास्तिक उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण दिशाओं का प्रतीक है। लेकिन लंबे समय से सौभाग्य का प्रतीक रहे स्वास्तिक के चिन्ह को उस समय खौफ और नफरत का प्रतीक माना जाने लगा जब इस चिन्ह को हिटलर ने अपना लिया था।

पूर्वी यूरोप

यूरोप के शुरुआती दौर में स्वास्तिक का प्रयोग एक पवित्र चिन्ह के रूप में किया जाता था। वास्तव में इसका संबंध सबसे शाक्तिशाली नॉर्स देवता, 'थॉर' से है। यह माना जाता है कि उनके प्रसिद्ध हथौडे के पीछे 'स्वास्तिक' का चिन्ह बना था।

ग्रीस

प्राचीन ग्रीस का एक चिन्ह स्वास्तिक जैसा ही दिखता है, जिसे Gammadion कहते हैं। ये चिन्ह वहां की वर्णमाला के उन चार कैपिटल शब्दों से मिलता-जुलता है, जो 'कॉमन सेंटर' को जोडते हैं।

प्रारंभिक ईसाई समुदाय

अपने प्रारंभिक दौर में क्रिश्चन स्वास्तिक का प्रयोग क्राइस्ट के चिन्ह के रूप में करते थे।

ये जीसेस के क्रॉस का प्रतिनिधित्व करता था। और जब रोमन द्वारा क्रिश्चन्स को सताया जा रहा था, उस दौरान भी इस चिन्ह का प्रयोग रोजाना किया जाता था। यहां तक कि पादरियों ने भी अपनी पोशाक पर 'स्वास्तिक' के चिन्ह को बना रखा था।

फिनलैंड

हजारों सालों से फिनलैंड में स्वास्तिक को एक अच्छी तकदीर का चिन्ह माना जाता है। ये चिन्ह फिनलैंड की संस्कृति और इतिहास के एक बडे हिस्से में समाया है। और तो और 'स्वास्तिक के सीधे खडे' स्वरूप को सदियों से गहनों और कपडों पर इस्तेमाल किया जाता रहा है।

तिब्बत

स्वास्तिक 'लौकिक ऊर्जा' के एक रूप का नाम है, जिसे Fohat का प्रतीक माना जाता है। मैडम हेलेना ने स्वास्तिक को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है, 'असल में, स्वास्तिक एक अत्यंत शाक्तिशाली जीवन से जुडा है जो व्यवस्था के प्रति एक भरोसा स्थापित करता है।

हिन्दू समुदाय

हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में स्वास्तिक का प्रयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है। चाहे वह शादी हो, बच्चे का मुंडन या कोई भी छोटी या बडी पूजा। स्वास्तिक शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द स्वास्तिका से हुई है।जिसका अर्थ है 'कुछ अच्छा होने वाला है'। स्वास्तिक हिन्दू देवता गणेश और देवी लक्ष्मी का भी चिन्ह माना जाता है।

अमेरिकी

अमेरिका के मूल निवासी अपनी संस्कृति में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का चिन्ह मानते हैं। Navajo जनजाति के लोग इसके डिजाइन को चांदी के आभूषणों से लेकर अपनी कई चीजों का हिस्सा बनाते हैं, जिसे चारों दिशाओं का प्रतीक माना जाता है।

ब्रिटिश साहित्य

ब्रिटिश रचनाकार ने स्वास्तिक का प्रयोग अपनी किताबों पर एक मुहर के रूप में किया था। उन्होंने अपनी किताबों से इस चिन्ह को तब हटा दिया, जब नाजी ने इसे अपना लिया था।

धार्मिक आंदोलन

रायल नामक वैश्विक व मशहूर व्यक्ति ने स्वास्तिक और डेविड के सितारे दोनों को सांस्कृतिक रूप से अधिग्रहित किया। रायल में विश्वास रखने वालों का ऐसा मानना है कि डेविड के तारे अंतरिक्ष में शून्य का प्रतिनिधित्व करते हैं तो वहीं स्वास्तिक काल और समय के शून्य का द्योतक है।

यह एक बेहद नया आंदोलन था और स्वास्तिक के इस्तेमाल की वजह से इस ग्रुप को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पडा।

बौद्ध समुदाय

बौद्ध धर्म में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है। यह भगवान बुद्धा के पद्चिन्हों को दिखाता है, इसीलिए इसे इतना पवित्र माना जाता है। यहां तक कि स्वास्तिक भगवान बुद्धा के हृदय, हथेली और पैरों में भी अंकित था।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है।

इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है। इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे । इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है।

अगर सेल्फी लेने की आदत है तो यह एक तरह की मानसिक बीमारी का लक्षण भी है। एम्स के मुताबिक, दिनभर सेल्फी लेते रहना एक तरह का ओब्सेशन है और यह इंसान को बाहरी दुनिया से काटकर सेल्फ सेंटर्ड बना सकता है। सेल्फी की दीवानगी हर उम्र के लोगों को है लेकिन टीनेज और यंग ग्रुप्स के लिए यह सबसे ज्यादा खतरनाक है।

सेल्फी नहीं....यह है सेल्फिशनेस

यूं तो सेल्फी को सोशली एक्सेप्ट कर लिया गया है। जहां पहले लोग एक फोटो खींचने में भी कतराते थे अब लोग जमकर बेझिझक सेल्फी लेते हैं फिर चाहे वे किसी भी उम्र के हो, लेकिन यह भी सच है कि यदि सेल्फी की लत पर समय रहते कंट्रोल नहीं किया गया तो यह मनोरोग बड़ी तादात में लोगों को जकड़ लेगा। डॉक्टर्स का कहना है कि यंग ऐज में सेल्फी लेने की आदत पूरे व्यक्तित्व पर असर डालती है और इस आदत के शिकार लोग किसी भी क्षेत्र में

आगे नहीं बढ़ सकते। कई लोग तो ऑफिस में भी सेल्फी लेने की आदी हो जाते हैं। सेल्फी का चस्का लोगों के लिए भयावह रोगों को जन्म दे रहा है, और इसका इलाज भी मुश्किल है। दरअसल, सेल्फी की सनक में लोग हर समय, जगह और स्वयं तक को भूल गए हैं। वे चलती ट्रेनों, पहाड़ की ऊंची-ऊंची चोटियों, गगन चुंबी इमारतों व अन्य जोखिम भरे स्थानों पर स्वयं को कैमरों में कैद करने लगते हैं। नतीजा भी साफ दिखने लगा है और आए दिन सेल्फी मौत का कारण बनती जा रही है। खास बात यह है कि सेल्फी के शौक ने सेल्फिशनेस को पैदा कर दिया है। पहले हम एक दूसरे के दिलों और विचारों के करीब होते थे, मगर अब तो लोग महज एक दूसरों के चेहरों के करीब होने लगे, कन्धों की तरफ झुकने लगे और खूबसूरत दिखने की लत में झूठी मुस्कान भी चेहरे पर सजाने लगे।

सेल्फीटिस

सेल्फीटिस आज का नया रोग है। अमेरिकन साइकेट्रिक एसोसिएशन के मुताबिक, अगर आप दिन में तीन से ज्यादा सेल्फी लेते हैं, तो यकीनन आप मानसिक रूप से बीमार हैं और इस बीमारी को सेल्फीटिस का नाम दिया। वास्तव में यह उस बीमारी का नाम है, जिसमें व्यक्ति पागलपन की हद तक अपनी फोटो लेने लगता है और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने लगता है। इतना ही नहीं, ऐसा करने से धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास कम होने लगता है, निजता पूरी तरह से भंग हो जाती है और वह एंग्जाइटी का इस कदर शिकार हो जाता है कि आत्महत्या करने की सोचने लगता है। यकीं मानिए इसका इलाज भी मुश्किल है और हर केस में डॉक्टर फौरी तौर पर दवाइयां तो लिख देते हैं, लेकिन इसे एक तरह से रोगी को अपने हाल और हालात पर छोड़ देने के जैसा है।

बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर

शोधकर्ताओं की मानें तो जरूरत से ज्यादा सेल्फी लेने की चाहत बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर नाम की बीमारी को जन्म दे सकती है। इस बीमारी से लोगों को एहसास होने लगता है कि वे अच्छे नहीं दिखते हैं। कॉस्मेटिक सर्जन का भी यही कहना है कि सेल्फी के दौर ने कॉस्मेटिक सर्जरी कराने वालों की संख्या में जोरदार इजाफा किया है, जो बेहद चिंतनी है।

सेल्फी की जद में

पहले हमने आध्यात्मिक ज्ञान को अपनाकर वसुधैव कुटुम्बकम् को माना, यानी समूची धरा को अपना माना। कालान्तर में धीरे-धीरे हमारी सोच राष्ट्र, समाज, परिवार, एकल परिवार और अब स्वयं तक सिमट गई। आज तो हम अंधी आधुनिकता की लोलुपता में इतने मशगूल हो गए हैं कि हमारी सोच सिर्फ और सिर्फ हम तक ही सिमट गई। दौर सेल्फी का चला तो हम सेल्फी की जद में आकर इतने सेल्फिश हुए कि हमारी स्वयं को अच्छा दिखाने की चाहत ने प्रभुप्रदत्त रूप को ही बदलना शुरू कर दिया। हेयर इस्टाइल, प्लास्टिक सर्जरी, रंगीन जुल्फें अन्य अन्य तरीके अपनाकर चेहरे पर कुछ पल के लिए बनावटी मुस्कान भी लाने लगे। यदि ऐसा ही रहा तो सोशल मीडिया एक छल बन जाएगा, जहां हर मनुष्य एकांगी हो जाएगा।

थोथी आत्म-केन्द्रियता

बीती सदियों में जब इंसान सार्थक ज्ञान के करीब पहुंच जाता था, तो वह संसारिक झंझावातों से दूर हटकर स्वयं में लीन हो जाता था, जिसे सनातन धर्म में समाधि, जैन धर्म में कैवल्य और बौद्ध धर्म में निर्वाण कहा जाता है। मुख्यत: यह योग का अंतिम पड़ाव होता है, जिसमें इंसान परम-जागृत यानी परम-स्थिर हो जाता है। इसे हम आधुनिक भाषा में परम स्वतंत्र अतिमानव या सुपरमैन भी कहते हैं। ध्यान का अभ्यास करते-करते साधक ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है कि उसे स्वयं का ज्ञान नहीं रह जाता और केवल ध्येय मात्र रह जाता है, तो उस अवस्था को समाधि कहते हैं। आज हम इंसानों ने स्व-जागृति की परिभाषा ही बदल डाली। हम स्वयं से इतने करीब हो गए कि हमारी समूची आत्म-केन्द्रियता महज हमारे बाहरी आवरण पर आ टिकी। यह सिलसिला इतने पर ही नहीं थमा, इस जमाने की अत्याधुनिकता ने हमारी आत्म-केन्द्रियता को सिफ और सिर्फ लुभावनें चेहरे पर केन्द्रित कर दिया और इसी थोथी आत्म-केन्द्रियता को ही हमारे समाज नें सेल्फी का नाम दे दिया।

संक्रामता से बचें

बदलाव के दहलीज पर खड़े हम सब कहीं इस कदर न बदल जाए कि जब हमें वास्तविकता का पता चले तो वापस भी न लौट सकें। हमें अपने वर्तमान और भविष्य को संजोने के लिए दूरदर्शिता की दरकार है। हमें अपने साथ-साथ दूसरों को जागरूक करना ही होगा, क्योंकि जब तक समाज का अंतिम जन रोजमर्रा की समस्याओं से वाकिफ नहीं होगा तब तक हम एक सुदृढ़, समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकते, इसलिए सेल्फी की संक्रामकता से हमें स्वयं को बचाना बेहद जरूरी है, वरना परिणाम तो दुखदायी ही होगा।

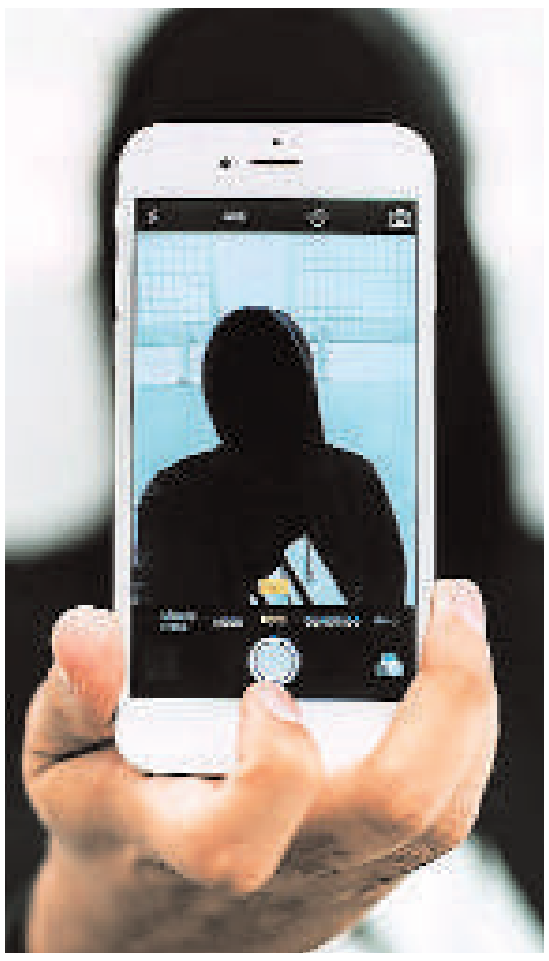

विशाल पेरीफेरल्स ला रहा है नया पॉडकास्ट शो बियॉन्ड द स्पॉटलाइट

डांसर सलमान युसुफ खान होंगे पहले मुख्य अतिथि

बेगमपेट स्टोर पर भव्य इवेंट के दौरान हुआ शो का आधिकारिक एलान

प्रौद्योगिकी, सुपर कंप्यूटर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के क्षेत्र में देश का अग्रणी ब्रांड विशाल पेरीफेरल जल्द ही एक अनोखा पॉडकास्ट शो बियॉन्ड द स्पॉटलाइट शुरू करने जा रहा है। शनिवार को हैदराबाद के बेगमपेट स्थित विशाल पेरीफेरल्स स्टोर पर एक भव्य कार्यक्रम के दौरान इस शो का आधिकारिक तौर पर एलान किया गया। यह पॉडकास्ट शो तकनीक, नवाचार (इन्नोवेशन) और डिजिटल क्रिएटर्स के सफर का एक भव्य उत्सव होगा।

तकनीक और कला का अनूठा संगम

इस लॉन्चिंग इवेंट के दौरान विशाल पेरीफेरल्स के प्रबंध निदेशक श्री विकास हिसारिया और मशहूर अभिनेता, कोरियोग्राफर व डांस इंडिया डांस के विजेता सलमान युसुफ खान एक साथ मंच पर नजर आए। शो के बारे में बात करते हुए एमडी विकास हिसारिया ने कहा कि यह पॉडकास्ट केवल तकनीक तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों और क्रिएटर्स की अनकही कहानियों को दुनिया के सामने लाएगा।

क्रिएटर्स के सफर को बयां करेगा 'बियॉन्ड द स्पॉटलाइट'

शो के पहले मुख्य अतिथि और मशहूर क्रिएटर सलमान युसुफ खान ने इस पहल की सराहना की। बियॉन्ड द स्पॉटलाइट पॉडकास्ट के माध्यम से दर्शक और युवा यह जान सकेंगे कि कैसे आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों ने क्रिएटिव इंडस्ट्री, डांस और सिनेमा की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। बेगमपेट स्टोर पर आयोजित इस इवेंट में तकनीक और मनोरंजन जगत से जुड़ी कई अन्य हस्तियां भी शामिल हुईं।

1 साल के बच्चे में ऐसे करें खून की कमी पूरी

एनीमिया यानी शरीर में खून की कमी, यह छोटे-बड़े हर उम्र के लोगों को हो सकता है लेकिन प्रैग्नेंट महिला और बच्चों में खून की कमी ज्यादा देखने को मिलती है। खून का कार्य शरीर के सभी भाग को भोजन और ऑक्सीजन पहुंचाना है। अगर खून में कमी आ जाए तो शरीर की गतिविधियों पर काफी असर पड़ता है। खून को लाल रंग हीमोग्लोबिन नामक पदार्थ से प्राप्त होता है, जब इन लाल कोशिकाओं में कमी आ जाती है तो एनीमिया की समस्या आती है।

बच्चों में एनीमिया का कारण

बच्चों में खून की कमी होने का सबसे बड़ा कारण उसके शरीर में आयरन यानि कि लौह तत्वों की कमी होना। इसके अलावा उन बच्चों में खून की कमी देखने को मिलती है जो समय से पहले जन्म लेते है।

बच्चों में एनीमिया के लक्षण

नीली और सिकुड़ी हुई आंखें, कमजोर नाखून, भूख में कमी, थकान, सिरदर्द, झुंझलाहट, पीली त्वचा और सांस लेने में दिक्कत अन्य आदि। इसी के साथ होंठों की भीतरी त्वचा, आंखों की भीतरी त्वचा, उसकी हथेलियों और नाखूनों का रंग सफेद या पीला दिखाई देने लगता है।

1 साल के बच्चे को खिलाएं ये चीजें

1. टमाटर : टमाटर बच्चे के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा तेजी से बढ़ाने का काम करता है। इसलिए बच्चों को रोज 5-7 टमाटर का रस या सूप बनाकर दें।
2. सेब : सेब का रस निकालकर उसमें शहद मिला लें और बच्चे को पीने को दें। इस जूस में लौह तत्व अधिक मात्रा में होता है जो खून की कमी को पूरा कर देता है।
3. अनार : अनार बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि बड़ों के लिए फायदेमंद है। इसलिए बच्चों के घर में अनार का जूस निकालकर पिलाएं।
4. मुनक्का : मुनक्का शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा तेजी से ब?ाता है। रात को पानी में मुनक्का भिगोकर रख दें। सुबह इसका पानी को बच्चों पीने के लिए दें।
5. चुकंदर : चुकंदर में आयरन की मात्रा अधिक होती है। यह शरीर में लाल रक्त कणों की सक्रियता को बढ़ाता और खून की कमी पूरा करता है। बच्चे को जूस या इसकी प्यूरी बनाकर खिलाएं।

रोज दौड़ लगाइए अच्छी सेहत पाइए

फिट रहने के लिए दौड़ना सबसे अच्छा व्यायाम है, अन्य व्यायाम की तुलना में दौड़ने के लिए किसी खास तकनीक की भी आवश्यकता नहीं होती। इससे ना केवल वजन नियंत्रित होता है । बल्कि आप पर उम्र का असर भी देर से दिखाई देता है ।आज की आराम तलब जीवनशैली में लोगों के पास व्यायाम के लिए समय नहीं। दौड़ने से ना केवल मांस पेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर भी फिट रहता है।

दौड़ने के फायदे

तनावमुक्ति का साधन: तनाव को हम आधुनिक जीवनशैली से अलग नहीं कर सकते। शायद आपने पहले भी तनाव मुक्ति के कई साधन अपनाये हों। इस बार प्रतिदिन कुछ देर तक दौड़ कर देखें। दौड़ना मानसिक रूप से आपको काफी राहत पहुंचाने का काम करता है।

स्वस्थ त्वचा चाहिए: दौड़ने से शरीर में रक्त संचार ठीक प्रकार से होता है और झुर्रियां देर से पड़ती हैं। वर्क आउट से तनाव कम होता है और आपकी त्वचा में भी चमक आती है।

प्रतिरोधी क्षमता: नियमित रूप से दौड़ लगाने वालों को एलर्जी, ठंड और खांसी जैसी सामान्य बीमारियां कम होती हैं। नियमित रूप से दौड़ लगाने से हमारा इम्यून सिस्टम बेहतर होता है, जिससे हम कई संभावित बीमारियों के खतरे से बचे रहते हैं।

वजन घटाये: अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो दौड़ने से अच्छा और कुछ नहीं। दौड़ना एक बहुत अच्छा व्यायाम है, क्योंकि इससे काफी कैलोरी बर्न होती है। लेकिन, चोट से बचने के लिए जरूरी है कि आप धीरे-धीरे दौड़ना शुरू करें।

हड्डियां बनाये मजबूत: नियमित रूप से दौड़ लगाने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। इससे हड्डियों संबंधित बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस और अर्थराइटिस होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही दौड़ने से टांगों और कूल्हों की हड्डियों का घनत्व भी बढ़ता है।

दिल बनाये मजबूत: दौड़ने से हमारे शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है, इससे हमारे दिल की सेहत पर अच्छा असर पड़ता है। इसके साथ ही दौड़ने से रक्तचाप भी कम होता है जिससे हृदय संबंधी कई रोग होने का संभावित खतरा भी कम हो जाता है।

ऊर्जा बढ़ाये: सुबह उठते ही आपको थकान होने लगती है। ऐसा लगता है । कि जैसे आपके शरीर में बिलकुल भी ऊर्जा नहीं है। तो, आपको दौड़ने को अपने रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए । इससे आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप दिन भर अधिक क्षमता से काम कर पाएंगे।

हाजमा सुधारे: दौड़ लगाने से हमारी पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे हमारा हाजमा सही रहता है। दौड़ लगाने से आपकी कैलोरी बर्न होती है, जिससे आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि आप इस दौरान हैल्थी स्नैक्स का सेवन करें। दौड़ना सभी उम्र के लोगों के लिए अच्छा व्यायाम है, तो क्यों ना चिर-युवा दिखने के लिए इस आसान व्यायाम को अपनायें। अगर आपको पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो एक बार चिकित्सक से संपर्क जरूर कर लें।

रेसिपी

मैदा के मीठे पेठे

सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंथ लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी स्ट्रिप काट लें। पूरे मैदे की स्ट्रिप बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेठे तल लें। ध्यान रहे कि पेठों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेठे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेठे ठंडे होने के बाद कड़छी की सहायता से उन पर चाशनी बखेरती जाएं, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटे की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेठों पर चाशनी चढने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेठे का आनंद उठाएं।

शाही वेज बिरयानी

सामग्री

चावल भीगे हुए, 1 आलू छील कर कटा हुआ, 100 ग्राम उबले हरे मटर, 1 गाजर महीन कटा हुआ, 1-2 प्याज महीन कटा हुआ, अदरक लहसुन का पेस्ट आधा चम्मच, 1 टमाटर कटा हुआ, हरी मिर्च 4-5 कटी हुई, फूल गोभी 2-4 पीस कटा हुआ, 2 बड़े चम्मच घी या तेल, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 टुकड़ा दाल चीनी, जायफल, आधा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया कटा हुआ, पानी अंदाज से।

विधि

पैन में घी गरम करें। उसमें जीरा, लौंग, इलायची, जायफल डाल दें। अब हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर 2-3 मिनट भून लें। हलका गुलाबी होने पर अब सब्जियां डालकर 5-6 मिनट भून लें। अब सब्जी भूनने पर उसमें चावल डालकर धीरे-धीरे चलाते हुए भून लें। जिससे चावल टूटे नहीं। हलके भूनने के बाद उसमें 3 कप पानी डाल दें और नमक अंदाज से डालें और हलकी आंच पर 15 से 20 मिनट तक बनने दें। आंच से उतारने के 1-2 मिनट पहले उसमें पनीर डाले दे और गैस बंद कर दें। चावल ढंका ही रहने दें और सर्व करने के पहले उसमें गरम मसाला और हरा धनिया डाल दें।

क्या आप जानते हैं

1 विश्व की सबसे ऊंची मीनार कुतुब मीनार है जो भारत में है।

2 नेपाल की संसद को राष्ट्रीय पंचायत कहते हैं।

3 राजस्थान के बीकानेर में स्थित जूनागढ़ किले का निर्माण राजा जय सिंह ने करवाया था।

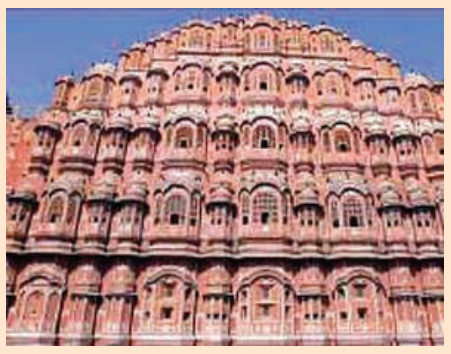

4 राजस्थान के जयपुर में स्थित हवा महल का निर्माण महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने करवाया था।

5 फिल्म जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्कर पुरस्कार की शुरुआत 1929 ईसवी में हुई थी। यह पुरस्कार नेशनल अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर ऑर्ट्स एंड साइंसेज संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दिया जाता है।

6 ऑस्कर पाने वाली पहली भारतीय महिला भानु अथैय्या हैं, जिन्हें गांधी फिल्म में रिचर्ड एटनबर्ग की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग के लिए यह पुरस्कार दिया गया था।

7 दांडी मार्च 1930 वह आंदोलन है, जिसे प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने दुनिया का इतिहास बदलने वाले प्रथम दस आंदोलन में शामिल किया है।

8 ऋग्वेद काल में व्यापारियों को पणि कहा जाता था।

9 छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जहां पर पांच रुपए में दाल-भात (दाल-चावल) देने की योजना शुरू की गई है।

10 ऑस्कर के साथ ही नोबेल पुरस्कार को भी प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं- जॉर्ज बनार्ड शॉ। इन्हें 1925 में साहित्य के लिए नोबेल और 1938 में बेस्ट स्क्रीन प्ले के लिए ऑस्कर पुरस्कार दिया गया।

11 पिनकाओ (थाईलैंड) दुनिया के सर्वश्रेष्ठ चावल के किस्मों में से एक है।

रोबोट हमारे दोस्त

बच्चो, आने वाले समय में हो सकता है हमारे रोजमर्रा के कई काम रोबोट्र्स करते नजर आएं। अब रोबोट्र्स कल्पना की चीज नहीं रहे, वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। अब तो हमारे देश में भी रोबोट्र्स पर काम होने लगा है। रोबोट्र्स द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानना अपने आप में बहुत रोचक है। तो क्या-क्या कर सकते हैं ये, पढ़ें...

बच्चो, रोबोट्स के बारे में तो आपने सुना ही होगा। टीवी पर आपने इन्हें देखा भी जरूर होगा। वाकई यह बड़े काम की चीज हैं। जब हम कहीं यह पढ़ते हैं कि आने वाले समय में रोबोट्स हमारे घरों में होंगे और कई तरह का काम निपटा रहे होंगे, तो सोचकर हैरानी होती है। निकट भविष्य में हो सकता है ऐसा संभव हो जाए। वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। आखिर रोबोट्स हैं क्या और कैसे काम करते हैं, इस बारे में जानना अपने आम में बहुत ही रोचक है। वैसे देखा जाए, तो रोबोट्स की दुनिया अपने आप में बहुत ही हैरान कर देने वाली है। अब तो वैज्ञानिक ऐसे दावे भी कर रहे हैं कि भविष्य में मानवीय संवेदनाओं वाला रोबोट भी बनाया जा सकेगा। हाल ही में रजनीकांत की फिल्म 'रोबोट' भी आई थी। इसमें भी रोबोट के बारे में बहुत रोचक जानकारी दी गई है। इसमें असल में रोबोट की कहानी को ही पेश किया गया है। तो आइए आज रोबोट्स की दुनिया के बारे में कुछ रोचक जानें-

पिछले दिनों तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में रोबोकप-2011 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें दुनियाभर के कई रोबोट्स ने हिस्सा लिया और फुटबॉल के मैदान में अपने जलवे दिखाए। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ विदेशी रोबोट्स ही फुटबॉल खेल सकते हैं। हमारे देश में भी ऐसे रोबोट्स बनाए जाने लगे हैं, जो फुटबॉल खेलने के अलावा आपका भरपूर मनोरंजन भी कर सकते हैं।

सॉकरबोट और आइसोटॉप ऐसे ही रोबोट्स हैं, जिन्हें बनाया है दिवाकर ने। 19 साल के दिवाकर शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक सैकेंड इयर के स्टूडैंट हैं। उनकी कोशिश है चूमनॉयड रोबोट्स को इस काबिल बनाया जाए कि वह मानव द्वारा किए जाने वाले सारे काम कर सके। सॉकरबोट की प्रोग्रामिंग करने में उन्हें 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगा। उनके मुताबिक सॉकरबोट ऑर्टिफिशियल सेमी इंटैलिजेंट रोबोट है जिसमें गायरोस्कोप और एसीलेरोमीटर सैंसर लगे हैं।

सॉकरबोट को चलने-फिरने में मदद करने के लिए 18 सर्वो और 250 से 300 स्क्रू लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये सर्वो मनुष्यों की मसल्स की तरह काम करते हैं। इन सर्वो में कार्बोनाइट गियर्स होते हैं जो उसे चलने-फिरने में मदद करते हैं। सॉकरबोट बिल्कुल मनुष्य की तरह चल-फिर सकता है। वह बेहतरीन फुटबॉल खेल सकता है, बॉल को किक मार सकता है। इसके अलावा एक फिटनेस फ्रीक की तरह पुशअप्स और यहां तक कि शीर्षासन भी कर सकता है। बाकी रोबोट्स के मुकाबले सॉकरबोट की खूबी है कि वह फुटबॉल खेलने के दौरान गिरने पर बिना किसी की मदद के खुद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। फुटबॉल खेलने के दौरान रोबोट्स के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है मूवमेंट्स की, लेकिन फुटबॉल खेलने के दौरान सॉकरबोट अपने आप घूम सकता है। दिवाकर पिछले साल सितंबर में बैंगलुरु में हुई फीरा यानी फैडरेशन ऑफ इंटरनेशनल रोबोटसॉकर एसोसिएशन वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने खासतौर पर 3 रोबोट्स डिफेंडर, गोलकीपर और अटैकर डैवलप किए थे। सॉकरबोट अगर स्पोर्ट्स और फिटनेस-फ्रीक है तो आइसोटॉप डांसिंग रोबोट है। आइसोटॉप विभिन्न गानों की धुनों पर जबर्दस्त डांस कर सकता है। यहां तक कि आइसोटॉप कमर मटकाते हुए ठुमके भी लगा सकता है। वह दुनिया का पहला अकेला ऐसा रोबोट है, जो भांगडा भी डाल सकता है। इन खूबियों के चलते उसे खूब वाहवाही मिलती है। आइसोटॉप में 16 सर्वो लगे हैं और उसका माइक्रो-कंट्रोलर 32 सर्वो को कंट्रोल कर सकता है।

दिवाकर का मानना है कि रोबोट बनाने से ज्यादा मुश्किल काम है रोबोट की प्रोग्रामिंग करना। उनके मुताबिक इसकी तुलना इंसान से की जा सकती है। जैसे छोटे बच्चे को पहले छोटे-छोटे शब्दों से प्रैक्टिस कराई जाती है और फिर बड़े-बड़े शब्द सिखाए जाते हैं। वैसे ही रोबोट को भी प्रोग्रामिंग के जरिए चलना, मुड़ना और उठना जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। उनका कहना है कि एक मिनट की प्रोग्रामिंग करने में 2 महीने तक का वक्त लग सकता है और एक मिनट की प्रोग्रामिंग 600 पन्नों तक की हो सकती है। आइसोटॉप को सामने लाने में उन्हें 6 माह से ज्यादा का वक्त लगा। आइसोटॉप और सॉकरबोट में गायरोस्कोप सैंसर लगा है, जिससे वे डायनेमिक मोशन जैसे झुकाव और उबड़-खाबड़ वाली सतह पर आसानी से चल सकते हैं।

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली?

आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनुकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्यक नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

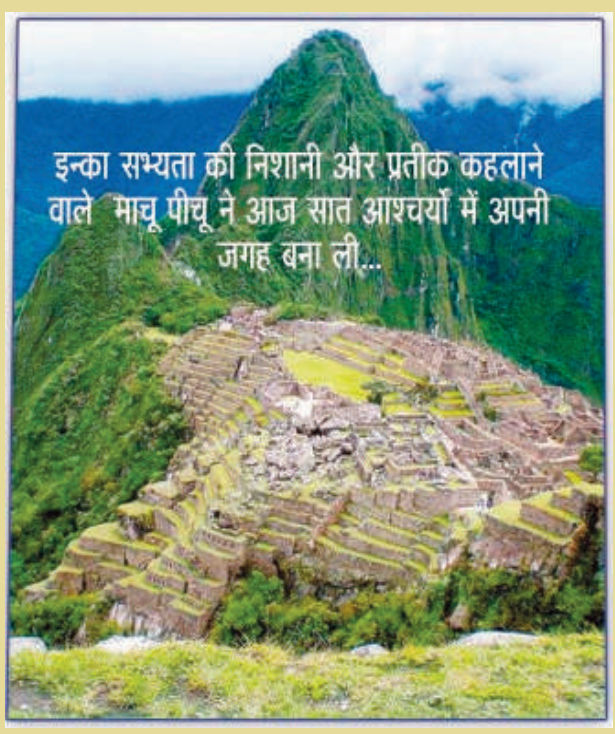

चोटी का आश्चर्य

दक्षिण अमेरिका के देश पेरू स्थित माचू पीचू एक नगर था, जो समुद्र तल से 2,430 मीटर की ऊंचाई पर इस पहाड़ी पर बसाया गया था। इसका निर्माण सन् 1450 ईसवी में हुआ था और इसके सौ साल बाद यहां के निवासी इसे छोड़कर चले गए क्योंकि इनका साम्राज्य स्पेनी आक्रमणकर्ताओं के सामने घुटने टेक चुका था।

इसे इन्काओं का खोया हुआ शहर कहा जाता था। धीरे-धीरे जंगलों ने इसे घेर लिया। सिर्फ स्थानीय लोगों की किंवदंतियों में यह जिंदा रह गया। 1911 में ऊरूबाम्बा घाटी में काम कर रहे अमरीकी इतिहासकार हिरम बिंघम ने इस खोए हुए शहर को खोज निकाला। बिंघम ने अपनी किताब 'द लॉस्ट सिटी ऑफ द इन्कॉज' में लिखा कि स्थानीय अफवाहें उन्हें इस जगह तक ले गईं। असल में बिंघम विक्टोस नाम के उस शहर को खोज रहे थे, जहां इन्काओं ने शरण ली थी और स्पेनी हमले के दौरान संघर्ष किया था, लेकिन अपनी खोज के दौरान उन्हें इस जगह का पता लग गया।

1913 में नैशनल जियोग्राफिक सोसायटी की पत्रिका नैशनल जियोग्राफिक ने पूरा संस्करण माचू पीचू को समर्पित किया। इससे इस जगह को विश्वभर में प्रसिद्धि मिली। इसके बाद तो यहां पर्यटकों और खजाने की खोज करने वालों का तांता लग गया।

इतिहासकार जॉन रो और रिचर्ड बर्जर के शोध के आधार पर अब यह माना जाने लगा है कि माचू पीचू कोई सुरक्षात्मक किला नहीं, बल्कि सम्राट पाचाकुटी का व्यक्तिगत एस्टेट था।

फिर 1981 में माचू पीचू के आस-पास का 325.92 वर्ग किलोमीटर का इलाका ऐतिहासिक सेंचुरी घोषित कर दिया गया। इसमें न सिर्फ शहर के खंडहर आते हैं बल्कि यहां के जंगल भी हैं, जिनमें ऑर्किड तक शामिल हैं। 1983 में संयुक्त राष्ट्र के संगठन युनैस्को ने इसे यह कहते हुए विश्व धरोहर घोषित किया कि यह जगह इन्का सभ्यता की अनूठी निशानी है और वास्तु का शानदार नमूना है।

पहाड़ी की सीधी ढलान के अंत में ऊरूबाम्बा नदी के पार बने छोटे से मैदान में बना यह शहर प्राकृतिक रूप से सुरक्षित था। यहां तक पहुंचने के लिए रस्सी का पुल इस्तेमाल होता था।

माचू पीचू में पॉलिश किए हुए पत्थरों से मकान बने हैं। बिना सीमेंट और मसाले के ऐसे पत्थरों को काटकर इमारत तैयार करने की कला को ऐशलर कहते हैं और इस कला में इन्का महारत रखते थे।

चूंकि इन्का सभ्यता में पहिए का इस्तेमाल नहीं होता था, इसलिए आज भी यह एक रहस्य है कि उन्होंने कैसे इतने बड़े पत्थरों को यहां तक पहुंचाया। यहां 140 इमारतें बनी हैं, जिनमें मंदिर, पार्क और घर सभी शामिल हैं।

यहां एक ही चट्टान से बनी सौ सीढ़ियां भी मौजूद हैं। पहले पुरातात्विक जोन में इंतिहुआताना (सन डायल), सूर्य मंदिर और तीन खिड़कियों वाला कक्ष मौजूद है। दूसरे जोन में शहर के सबसे समझदार व्यक्ति के साथ-साथ राजा, रानी और राजकुमारी के लिए कक्ष बने हैं।

चूंकि यह बड़ा पर्यटन केंद्र है, इसलिए यहां पर्यटकों के कारण बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। सन् 2003 में यहां चार लाख पर्यटक आए थे। इससे इस धरोहर को होने वाले नुकसान को देखते हुए युनैस्को ने इसे खतरे का सामना कर रही विश्व धरोहर की सूची में रखने का मन बना लिया। सन् 2000 में एक विज्ञापन कम्पनी द्वारा इस्तेमाल की जा रही क्रेन यहां के सन डायल पर गिर गई थी, जिससे इसे काफी नुकसान पहुंचा।

अपने जाल में क्यों नहीं फंसती मकड़ी?

मकड़ी खुद अपने जाल में नहीं फंसती, इसके पेट के ऊपरी भाग में स्थित एक छेद में से हमेशा रेशे के रूप में एक तरल पदार्थ बाहर निकलता रहता है। दरअसल उसके शरीर से निकलने वाला यही द्रव्य उसे जाल पर चलने में भी मदद करता है। इसके अलावा जब मकड़ी जाल पर चलती है, तो वह शुष्क और मुलायम धागे का इस्तेमाल करती है। अगर गलती से टांगें जाल को छू भी जाती हैं, तो इसके पांवों पर तेल का स्त्राव उसे इनसे चिपकने से बचाता है और मकड़ी बड़ी आसानी से उन भागों पर चलती रहती है।

पहला डाक टिकट

डाक टिकट जारी करने वाला दुनिया का सबसे पहला देश था- ग्रेट ब्रिटेन। 1 मई 1840 को ब्रिटेन में पहली डाक टिकट जारी की गई। इसके बाद दुनिया के अन्य देशों में भी डाक टिकटें शुरू हो गईं। ब्रिटेन दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसकी डाक टिकटों पर उसके देश का नाम अंकित नहीं होता। न्यूजीलैंड की पहली डाक टिकट भी ब्रिटेन में ही डिजाइन की गई थी और 1855 में जारी की गई थी। न्यूजीलैंड द्वारा डिजाइन पहली डाक टिकट 1873 में जारी हुई थी, इस पर भी क्वीन विक्टोरिया का ही चित्र था।

तीन मछलिया

जलाशयों में पानी गहरा होने की वजह से उसमें काई के साथ अन्य जलीय पौधे भी उग जाते हैं। इस वजह से मछलियों को ये स्थान बड़े रास आते हैं। ऐसे ही एक जलाशय में तीन मछलियां रहती थीं। इनके स्वभाव बहुत भिन्न थे। जहां अन्ना संकट का अभास होने पर ही उसके निदान के बारे में सोचने लगती थी, वहीं प्रत्यु संकट आने के बाद बचने के उपाय करने पर विश्वास करती थी, लेकिन यद्दी इनमें सबसे अलग थी। उसका मानना था कि किस्मत में जो लिखा होता है, वही होता है। एक दिन कुछ मछुआरे मछली पकड़कर घर जा रहे थे। कम मछलियां फंसने की वजह से वे सभी बड़े उदास थे। तभी उन्हें झाड़ियों के ऊपर मछलीखोर पक्षियों का झुंड जाता दिखाई दिया। सबकी चोंच में मछलियां दबी थीं। वे चौंके ।

एक ने कहा- 'दोस्तो! लगता हैं इस जलाशय में ढेर सारी मछलियां हैं।'

मछुआरे जलाशय के पास पहुंच गए और ललचाई नजरों से देखने लगे।

'अहा! ये जलाशय तो मछलियों से भरा है। आजतक ये हमें मालूम ही नहीं था। हमको ज्यादा मछलियां मिलेंगी।' मछुआरा बोला।

तभी दूसरा बोला-'अभी तो शाम हो गई, सुबह आते हैं।'

मछुआरों की मंशा मछुआरों ने सुन ली।

अन्ना मछली बोली-'दोस्तो! हमारा यहां रहना खतरे से खाली नहीं है। मैं नहर के रास्ते नदी में जा रही हूं। मछुआरे आएं और जाल फेंके मेरी बला से। मैं तो सुरक्षित रहूंगी'

प्रत्यु बोली- 'तुम जाओ, अभी खतरा आया नहीं है। हो सकता है, कल मछुआरे आएं ही न।'

तभी यद्दी बोल पड़ी - 'किस्मत में मरना ही लिखा है, तो क्या किया जा सकता है?'

अन्ना तो चली गई और प्रत्यु के साथ यद्दी रह गई। सुबह मछुआरे अपने कार्यक्रम के अनुसार जलाशय पर आए और जाल डालकर मछलियां पकड़ने लगे। प्रत्यु ने संकट भांपते ही दिमाग दौड़ाया और एक मरे हुए ऊदबिलाव के पेट में घुस गई। उसकी सड़ने की बदबू शरीर पर लपेटकर बाहर आई, जाल में फंस गई।

सभी मछलियों को किनारे पर फेंका गया, तो बाकी मछलियों की तरह तड़पे के बजाए, वो शांत पड़ी रही। बदबू की वजह से मछुआरे ने उसे सड़ी हुई मान लिया और उसको ढेर में से निकालकर तालाब में फेंक दिया।

उसने गोता लगाया और सुरक्षित गहराई में पहुंचकर जान की खैर मनाई। यद्दी मछली भी दूसरे मछुआरे के जाल में फंस गई थी, और एक टोकरे में डाल दी गई थी। भाग्य के भरोसे बैठी रहने वाली यद्दी ने उसी टोकरी में अन्य मछलियों की तरह तड़प-तड़पकर प्राण त्याग दिए।

फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए, हमने उन्हें पहले भी हराया है : लामिन यामल

लास एंजिल्स

बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से होगी। इस बहुप्रतीक्षित मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यामल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता, और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उनके मुताबिक, स्पेन ने हाल के बड़े मुकाबलों में फ्रांस को हराया है और इस बार भी टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यामल का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। यामल ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही सभी लोग स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला देखना चाहते थे। उन्होंने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी। यामल ने साफ कहा कि स्पेन अपने आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं करेगा, और टीम हमेशा की तरह गेंद पर नियंत्रण रखते हुए अटैकिंग फुटबाल खेलेगी।

18 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, फ्रांस बेशक एक मजबूत टीम है, लेकिन स्पेन अपनी पहचान नहीं बदलेगा। उन्होंने दृढ़ता से कहा, हम उसी अंदाज में खेलेंगे, जैसा हमेशा खेलते आए हैं। हमें पूरा भरोसा है कि हमारा खेल हमें जीत दिला सकता है। फ्रांस को लेकर यामल ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा, अगर किसी टीम को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है, क्योंकि हमने उन्हें पहले भी हराया है। उन्होंने पिछले साल खेले गए यूरो 2024 के सेमीफाइनल की याद दिलाई, जहां स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से मात दी थी।

उस मैच में सिर्फ 16 साल के यामल ने शानदार लंबी दूरी का गोल कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद डैनी ओल्मो के विजयी गोल के बूते स्पेन ने फाइनल जीतकर यूरोपीय चैंपियन का खिताब हासिल किया था। यामल का मानना है कि उस जीत से स्पेन के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सफलताएं टीम को बड़े मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती हैं। इस वर्ल्ड कप में यामल अब तक केवल एक गोल कर पाए हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनका कहना है कि व्यक्तिगत रिकार्ड से ज्यादा जरूरी टीम की जीत है। उन्होंने समझाया, मैंने यूरो में भी सिर्फ एक गोल किया था, लेकिन हमने ट्राफी जीती थी। अगर टीम लगातार जीतती रहे तो मैं खुश हूं। मेरे लिए टीम सबसे पहले है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फ्रांस के खिलाफ फिर कोई यादगार गोल करना चाहेंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, उम्मीद है कि ऐसा फिर होगा। मैं जरूर ऐसा करना चाहूंगा। सेमीफाइनल में एक और बड़ी टक्कर यामल और फ्रांस के कप्तान काइलियन एम्बाप्पे के बीच देखने को मिलेगी।

एम्बाप्पे इस वर्ल्ड कप में शानदार फार्म में हैं, उन्होंने पांच मैचों में आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट भी दिए हैं, और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दूसरी ओर, यामल अपनी तेज ड्रिब्लिंग, शानदार पासिंग और बेहतरीन विजन से स्पेन के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं। हालांकि, यामल का कहना है कि एम्बाप्पे जैसे बड़े खिलाड़ी का नाम स्पेन की रणनीति नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, हमें किसी से डर नहीं लगता। हमने पिछले दो मुकाबलों में फ्रांस को हराया है। हम यहां सिर्फ सेमीफाइनल खेलने नहीं, बल्कि वर्ल्ड कप जीतने आए हैं। यामल ने आखिर में एक बार फिर दोहराया, हम फ्रांस का सम्मान करते हैं, लेकिन उनसे डरते नहीं हैं। मुझे लगता है कि इस समय दुनिया की दो सबसे बेहतरीन टीमें आमने-सामने हैं और अगर किसी को डरना चाहिए, तो वह फ्रांस है।

न्यूज ब्रीफ

डायमंड लीग 2026: सर्वेश कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर रहे

मोनाको। भारत के राष्ट्रीय रिकार्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकार्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकार्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ा था। डायमंड लीग से पहले सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था। इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के संयुक्त स्वर्ण पदक विजेता इटली के जियानमार्को ताम्बेरी और कतर के मुताज बरशीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। ताम्बेरी 2.23 मीटर की छलांग के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि बरशीम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। सर्वेश कुशारे का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा।

फीफा विश्व कप: मेरिनो के आखिरी मिनट के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराया

लास एंजिलिस। सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नाकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शाट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की। इससे पहले राउंड आफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था। मैच के बाद मेरिनो ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं।

मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल का टी20 में धमाका: 28 गेंदों में तूफानी शतक

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल ने हाल ही में एक फ्रेंडली टी20 मैच में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी हैं।

अफगान इलेवन के लिए उजबेकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए, हसन ने मात्र 28 गेंदों में तूफानी शतक जड़ दिया, जिससे उनकी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की दावेदारी और मजबूत हो गई है। उनकी इस विस्फोटक पारी ने मैदान पर मौजूद सभी को हैरान कर दिया और गेंदबाजों को असहाय कर दिया। हसन ईसाखिल ने अपनी पारी में कुल 34 गेंदों का सामना करते हुए 120 रन बनाए, जिसमें 16 गगनचुंबी छक्के और 4 चौके शामिल थे। उन्होंने अपनी पहली फिफ्टी 17 गेंदों में पूरी की, जबकि अगले 50 रन बनाने के लिए उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों का सामना किया, जो उनकी विस्फोटक क्षमता को दर्शाता है। उनकी इस पारी की बदौलत अफगान इलेवन की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 323 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 क्रिकेट में एक बड़ा लक्ष्य है। इस बड़े स्कोर के जवाब में, उजबेकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर केवल 124 रन ही बना पाई, जिसके परिणामस्वरूप अफगान इलेवन ने 199 रनों की शानदार जीत दर्ज की। यह फ्रेंडली टी20 मुकाबला कोस्त में खेला गया था। हसन ईसाखिल पहले भी अफगानिस्तान की जूनियर टीम का हिस्सा रह चुके हैं ।

भारत को पछाड़कर इंग्लैंड नंबर-1 टी-20 टीम बनी

56 रन से हराकर सीरीज 4-0 से जीती, बटलर ने 131 रन बनाए

साउथैम्पटन। भारत को पांचवे टी-20 में हराकर इंग्लैंड टी-20 की नंबर एक टीम बन गई है। उसने टीम इंडिया को 56 रन से हराया और 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। साउथैम्प्टन के रोज बाउल स्टेडियम में पहली पारी में इंग्लैंड ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 257 रन बनाए। जवाब में भारत 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सका।

भारत के लिए ईशान किशन ने 56 रन बनाए। तिलक वर्मा ने 25 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने 3, जबकि आदिल रशीद ने 2 विकेट झटके। संजू सैमसन ने 27, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 28 और शिवम दुबे ने 14 रन बनाए।

इससे पहले जोस बटलर ने 64 गेंदों पर 131 रन और कप्तान हैरी ब्रूक ने 45 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 233 रन की साझेदारी की। यह भारत के खिलाफ टी-20 में सबसे बड़ी साझेदारी है। शिवम दुबे ने 2 और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिए।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी यह मैच नहीं खेले। उनकी जगह संजू सैमसन खेले। वैभव ने इस सीरीज के तीन मैचों में सिर्फ 42 रन (14, 13 और 15) बनाए।

सीरीज में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 229 रन बनाए। भारत के श्रेयस अय्यर 218 रनों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

गेंदबाजी में इंग्लैंड के सैम करन, जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने सबसे ज्यादा बराबर 7-7 विकेट लिए।

भारत के अर्शदीप सिंह 4 विकेट के साथ पांचवें बेस्ट बॉलर साबित हुए।

257/3 भारत के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड का बेस्ट स्कोर रहा।

भारत की यह टी-20 इंटरनेशनल में रनों के लिहाज से चौथी सबसे बड़ी हार (56 रन) रही।

यह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार सातवीं टी-20 हार रही, जबकि इंग्लैंड इस जीत के साथ टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 टीम बन गया।

संशोधित--विंबलडन 2026: जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

लंदन

विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन इटली के जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लगातार दूसरे साल मात देते हुए शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका सामना रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 39 वर्षीय जोकोविच पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद उन्होंने अपनी हार को पुरानी शैली की एकतरफा हार बताया और स्वीकार किया कि वह हर शाट पर आधा कदम पीछे रह गए। सिनर ने पूरे मैच में शानदार सर्विस की। उन्होंने 16 ऐस लगाए, पहली सर्विस पर 88 प्रतिशत अंक जीते और दूसरी सर्विस पर भी 61 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। उनकी सटीक सर्विस और आक्रामक खेल के सामने जोकोविच को कोई जवाब नहीं मिला। पूरे मुकाबले में जोकोविच को केवल एक ब्रेक प्वाइंट मिला और वह भी तीसरे सेट में। लेकिन सिनर ने उसे भी ऐस के साथ बचा लिया। इसके बाद एक दमदार स्मैश और फिर एक और ऐस लगाकर उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। हार के बावजूद जोकोविच ने कहा, मैं शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत जितना तरोताजा नहीं था, लेकिन फिट था। सिनर आज मुझसे कहीं बेहतर थे और पूरे मैच में हावी रहे। उन्हें जीत की बधाई देनी होगी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया।

अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल पर होंगी, जहां जैनिक सिनर अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के इरादे से अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ उतरेंगे।

युवा बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी पर बीसीसीआई की पैनी नजर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) युवा सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े-बड़े छक्के लगाने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध इन खिलाड़ियों का हालिया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसने उनकी निरंतरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय टीम को हाल ही में आयरलैंड दौरे पर 0-2 से हार मिली थी और इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में वह 0-3 से पिछड़ चुकी है। टीम के खराब प्रदर्शन के बीच इन युवाओं का प्रदर्शन भी जांच के दायरे में है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआती तीन पारियों में केवल 42 रन बनाए हैं और एक बार भी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाए हैं। यह प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं, अभिषेक शर्मा ने पहले दो टी20 मैचों में क्रमश: 59 और 43 रन की प्रभावशाली पारियां खेली थीं, लेकिन अगले दो मुकाबलों में उनका स्कोर केवल 10 और 16 रन रहा, जिससे उनकी फार्म में गिरावट स्पष्ट दिख रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने इन खिलाड़ियों की क्षमता को स्वीकार करते हुए कहा, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की बड़े-बड़े छक्के लगाने की क्षमता निस्संदेह शानदार है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इस क्षमता को नियंत्रण में रखा जाए और लगातार प्रदर्शन में बदला जाए। सूत्र ने दबाव में भी समझदारी से बल्लेबाजी करने के महत्व पर जोर दिया।

विंबलडन के रायल बाक्स में चमके क्रिकेट के सितारे : सचिन, लारा और शुभमन

नई दिल्ली

विंबलडन 2026 के पुरुषों के सेमीफाइनल मुकाबले में टेनिस कोर्ट पर सितारों का जमावड़ा लगा, वहीं रायल बाक्स में क्रिकेट जगत की कई हस्तियां भी मौजूद रहीं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजली और बेटी सारा के साथ पहुंचे, जबकि वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा भी इस प्रतिष्ठित इवेंट का हिस्सा बने। दोनों क्रिकेट दिग्गजों ने साथ में तस्वीरें भी साझा कीं, जिसने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया।

क्रिकेट के भगवान के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर टेनिस के बड़े प्रशंसक हैं और अक्सर ग्रैंड स्लैम के बड़े मुकाबले देखने पहुंचते हैं। यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच हुए इस हाई-वोल्टेज सेमीफाइनल मैच के लिए उन्हें खास तौर पर रायल बाक्स में आमंत्रित किया गया था। सचिन पहले भारतीय क्रिकेटर थे जिन्हें यह सम्मान मिला था; अब विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। ब्रायन लारा के अलावा, सचिन ने टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से भी मुलाकात की और उनके साथ सेल्फी ली, जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया। इन दोनों दिग्गजों के बीच लंबी बातचीत भी हुई, जो खेल प्रेमियों के लिए एक यादगार पल था।

भारतीय टीम के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल भी विंबलडन का मैच देखने रायल बाक्स में मौजूद थे। सचिन की तरह शुभमन भी रोजर फेडरर के प्रशंसक हैं और उन्होंने भी अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी से बातचीत की। शुभमन को रायल बाक्स में सचिन तेंदुलकर के पास ही बैठे देखा गया, जिससे एक बार फिर उनके और सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर के डेटिंग की चर्चाएं तेज हो गईं। शुभमन और सारा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिससे इन दोनों को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। यह आयोजन क्रिकेट और टेनिस के दिग्गजों को एक साथ एक मंच पर लाने का एक दुर्लभ अवसर था, जिसने खेल प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह सफलता पूरी टीम के प्रयासों का नतीजा : डे ला फुएंते

स्पेन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद बोले कोच

लास एंजिल्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपनी टीम की गहराई, एकता और सभी खिलाड़ियों के योगदान की जमकर तारीफ की। स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत में कोच के दो रणनीतिक फैसले बेहद अहम साबित हुए। मैच में, डे ला फुएंते ने स्टार खिलाड़ी पेड्री की जगह फैबियन रुइज को शुरुआती एकादश में शामिल किया, और रुइज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए स्पेन के लिए पहला गोल दागा। वहीं, दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर आए मिकेल मेरिनो ने 88वें मिनट में स्पेन के लिए निर्णायक गोल किया। मेरिनो को कोच डे ला फुएंते ने मैच के 86वें मिनट में ही मैदान पर उतारा था, और उनका यह प्रदर्शन स्पेन के लिए नया नहीं है। वह इससे पहले भी कई बड़े मुकाबलों में बेंच से आकर टीम के लिए महत्वपूर्ण गोल कर चुके हैं। उन्होंने यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के खिलाफ अतिरिक्त समय में गोल किया था, और वर्ल्ड कप के राउंड आफ 16 मुकाबले में पुर्तगाल के खिलाफ भी निर्णायक गोल दागा था।

डे ला फुएंते ने इस बात पर जोर दिया कि किसी खिलाड़ी को शुरुआती टीम में जगह नहीं देना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन उनकी टीम का हर खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने कहा कि मैदान पर केवल 11 खिलाड़ी शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन टीम में मौजूद हर खिलाड़ी महत्वपूर्ण है। कोच ने कहा, यह सही नहीं है कि मिकेल शुरुआत से नहीं खेले, लेकिन यह

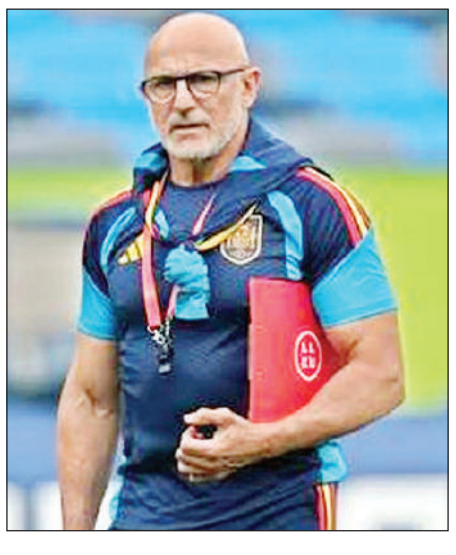

भी सही नहीं होगा कि किसी दूसरे खिलाड़ी को बाहर रखा जाए। हर खिलाड़ी जानता है कि उसे किस परिस्थिति में क्या भूमिका निभानी है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते हैं। डे ला फुएंते ने इस जीत का श्रेय किसी एक खिलाड़ी को देने से इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि स्पेन की सफलता पूरी टीम के प्रयासों का नतीजा है। कोच के अनुसार, जो खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं और जो बाहर से टीम का समर्थन करते हैं, सभी का योगदान बराबर है। उन्होंने दोहराया, टीम सबसे ज्यादा जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन मैच शुरू करता है। हर खिलाड़ी की अपनी अहमियत है, यहां तक कि उन खिलाड़ियों की भी जो मैदान पर नहीं उतरे।

स्पेन के कोच ने टीम के अंदर अच्छे माहौल और आपसी सम्मान को भी सफलता का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और साथ ही बेहतरीन इंसान भी हैं, जो एक-दूसरे के लिए काम करना जानते हैं। डे ला फुएंते ने कहा, हमारे खिलाड़ियों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे अपने रोल को समझते हैं। वे टीम के लिए सोचते हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। यही वजह है कि टीम इतने अच्छे तरीके से आगे बढ़ रही है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन की भिड़ंत अब मंगलवार को फ्रांस से होगी। फ्रांस को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक माना जा रहा है। डे ला फुएंते ने माना कि यह मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन उनकी टीम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेगी। कोच ने कहा कि फ्रांस के पास शानदार प्रतिभा और अनुभव है, लेकिन स्पेन भी अपनी क्षमता दिखा चुका है। उन्होंने कहा, यह एक कड़ा मुकाबला होगा, जिसमें ऊर्जा और फिटनेस की जरूरत होगी। हम यहां तक पहुंचे हैं और अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

घांसी बाजार झूला शाखा की सिल्वर जुबली समारोह की तैयारियां पूर्ण

स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर होगा भव्य आयोजन, अतिथियों को दिया गया आमंत्रण

समाज के गणमान्यजन विभिन्न कार्यक्रमों में निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। घांसी बाजार झूला शाखा के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सिल्वर जुबली समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन समिति द्वारा विभिन्न गणमान्य अतिथियों को समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश गोयल (प्रभुदयाल पंच परिवार) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन अग्रवाल समाज, तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता करेंगे, जबकि तंबोला कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मगौरव भवन के चेयरमैन राजेश अग्रवाल द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि सिल्वर जुबली समारोह को यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की सहभागिता रहेगी।

इस अवसर पर अनिल धरसूवाला, महावीर प्रसाद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, मीनू गर्ग, शिव भगवान अग्रवाल सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

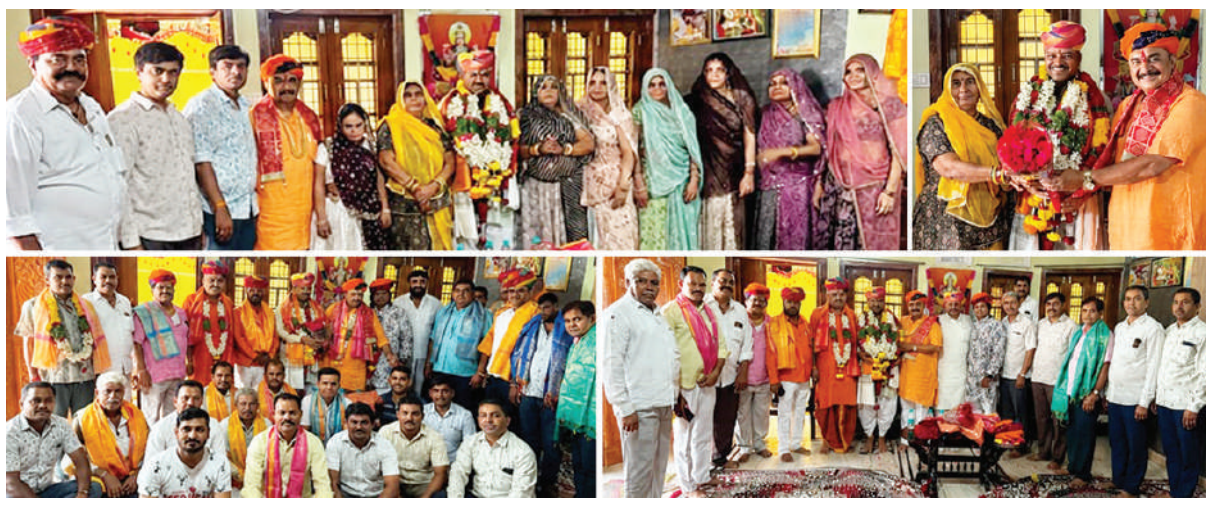

अनोजिगुड़ा स्थित काग निवास पर राजस्थान प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमावत का स्वागत–सम्मान किया गया। कार्यक्रम में किसान मोर्चा पाली जिला मंत्री एवं सीरवी समाज कोरेमुला वडेर अध्यक्ष कालुराम काग, संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, नरेश कुमार, ललित कुमार काग, अचलदास वैष्णव, नाथुराम कुमावत, जयराम काग, मांगीलाल काग, राजू मुलेवा, मदन देवासी, मोतीलाल भायल, ताराराम कुमावत, सुरेश कुमावत, दोलाराम लचेटा सहित समाजबंधु उपस्थित रहे।

कविता ने सिंगारेनी श्रमिकों की आवाज दबाने का आरोप लगाया, कहा–

एचएमएस उनके अधिकारों के लिए लड़ेगी

खम्मम, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षण सेना की प्रमुख कलवकुंतला कविता ने शनिवार को आरोप लगाया कि खम्मम जिले के सथुपल्ली में जेवीआर ओपन कास्ट प्रोजेक्ट (ओसीपी) में उन्हें और हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) के नेताओं को कर्मचारियों से बातचीत करने से रोके जाने के बाद कांग्रेस सरकार, सिंगारेनी प्रबंधन और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन श्रमिकों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

सुश्री कविता एचएमएस और टीआरएस नेताओं के साथ पुलिस की तैनाती और सिंगारेनी प्रबंधन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद जेवीआर ओसीपी पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रमिकों को नेताओं से मिलने से रोकने के लिए परिसर के अंदर भेज दिया गया था। कांग्रेस सरकार और मान्यता प्राप्त यूनियनों, एटक एवं इंटक दोनों के लिए उल्टी गिनती शुरू होने का दावा करते हुए सुश्री कविता ने उन पर सरकार के साथ मिलीभगत करने और श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनियनों ने खराब कामकाजी परिस्थितियों, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा व शैक्षिक सुविधाओं की कमी, घटिया उपकरण, अपर्याप्त आवास भत्ते और सेवानिवृत्त होने वाले श्रमिकों के आश्रितों को रोजगार देने सहित प्रमुख मुद्दों पर चुप्पी साध रखी है। सुश्री कविता ने मांग की कि तेलंगाना सरकार सिंगारेनी के कथित 54,000 करोड़ रुपये के बकाये को जारी करे और इस बात पर भी जोर देकर कहा कि भविष्य की खुली खनन परियोजनाओं को निजी कंपनियों को सौंपने के बजाय सिंगारेनी के पास ही रखा जाना चाहिए। उन्होंने एक कोयला प्रबंधन संयंत्र का ठेका किसी तीसरे पक्ष को देने की भी आलोचना की और दावा किया कि इससे सिंगारेनी के सैकड़ों श्रमिकों के रोजगार प्रभावित हुए हैं।

सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ 14 को

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर द्वारा मंगलवार, 14 जुलाई 2026 को शाम 5:00 बजे हिमायत सागर के सीआर नगर, कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर में संपुट सहित सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जाएगा। पंडित लालाजी शुक्ला महाराज एवं पंडित विनीत शुक्ला महाराज ने बताया कि पाठ के पश्चात हवन, आरती एवं भजन कार्यक्रम होगा। मंदिर में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ, हवन व आरती का नियमित आयोजन किया जाता है। मंडल ने नगर के सभी भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।

70% भारत से मानसूनी बादल गायब :

7 राज्यों में अगले 5 दिन बारिश नहीं, पहलगाम में बादल फटा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के 7 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के 70% हिस्से से बादल गायब हो गए हैं। आईएमडी की नई सैटेलाइट तस्वीरों और विंडी.कॉम के मुताबिक बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे– उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं।

पहलगाम में बादल फटा, अमरनाथ यात्रा रूट से 4 किमी दूर तबाही

शनिवार शाम को पहलगाम के नाला ओवेरा इलाके में बादल फटने की घटना सामने आई। इससे वहां बने होटल में पानी और मलबा घुस गया। यह इलाका अमरनाथ यात्रा रूट से 4 किमी की दूरी पर है।

एसएस कन्वेंशन में आयोजित एक भव्य समारोह में रीना एवं संजय शर्मा के सुपुत्र सचिन शर्मा का विवाह गीता एवं राजेश शर्मा की सुपुत्री अभिषिका शर्मा के साथ वैदिक रीति–रिवाजों एवं मंगल मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर देवेंद्र शर्मा, राजीव शर्मा सहित शर्मा परिवार के सदस्य एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कलयुगी...

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से रक्त के नमूने, फिंगरप्रिंट, पैरों के निशान, डिजिटल साक्ष्य तथा अन्य महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए। प्रत्येक स्थान की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर साक्ष्यों को सुरक्षित किया गया ताकि वैज्ञानिक जांच के आधार पर पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया जा सके।

पुलिस के अनुसार, दोनों घटनास्थलों से मिले साक्ष्यों को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है। सभी छह शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने चिकित्सकीय परीक्षण शुरू किया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मृत्यु का समय, चोटों की प्रकृति और वारदात के क्रम से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक रिपोर्ट इस मामले की जांच में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

घटना की सूचना मिलते ही प्युचर सिटी पुलिस आयुक्त तरुण जोशी स्वयं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शाबाद पहुंचे और दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने जांच अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सात विशेष टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिनमें तकनीकी निगरानी, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, संभावित ठिकानों पर छापेमारी तथा पड़ोसी जिलों और राज्यों की पुलिस से समन्वय शामिल है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी पूरे मामले की जांच का सबसे महत्वपूर्ण चरण होगी।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वारदात के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने उसके संभावित भागने के सभी मार्गों की जांच शुरू कर दी है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, टोल प्लाजा और प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। आसपास के जिलों की पुलिस को भी अलर्ट जारी किया गया है ताकि आरोपी राज्य की सीमा पार न कर सके। तकनीकी टीम उसके मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों का विश्लेषण कर रही है।

इसी बीच फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट ने आरोपी पी. राजकुमार की गिरफ्तारी में आम जनता का सहयोग लेने के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की। पुलिस ने आरोपी का सुराग देने अथवा उसकी गिरफ्तारी में सहायक विश्वसनीय सूचना उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को 2,00,000 (दो लाख रुपये) का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा उसकी सुरक्षा की पूर्ण गारंटी दी जाएगी। कमिश्नरेट ने नागरिकों से अपील की है कि आरोपी के संबंध में किसी भी प्रकार की विश्वसनीय जानकारी मिलने पर चेवेल्ला पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 8712665324 पर फोन कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से तत्काल सूचना दें।

इस घोषणा के बाद पुलिस ने व्यापक स्तर पर आरोपी की तस्वीर और विवरण विभिन्न थानों, पुलिस चौकियों तथा सार्वजनिक स्थानों पर साझा करना शुरू कर दिया। पुलिस का मानना है कि आम जनता की सहभागिता से आरोपी तक शीघ्र पहुंचा जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि सूचना देने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ पूरी संवेदनशीलता और गोपनीयता बरती जाएगी।

घटना के बाद पूरे शाबाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अपुष्ट खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें तथा केवल पुलिस और प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि झूठी या भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाव हादसे ...

इस सूची के मुताबिक, जान गंवाने वाले पर्यटकों में तमिलनाडु के 10, आंध्र प्रदेश के 3 और केरल के 2 नागरिक शामिल हैं। अपनों को खोने की खबर मिलते ही इन राज्यों में रह रहे परिवारों में हड़कंप मच गया है। दूतावास का कहना है कि वे सभी प्रभावित परिवारों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। इसके साथ ही शवों को सम्मानपूर्वक वापस भारत भेजने के लिए कानूनी और प्रशासनिक कागजी कार्रवाई को तेजी से पूरा किया जा रहा है, ताकि परिवारों को इस मुश्किल वक्त में ज्यादा परेशान न होना पड़े।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो समुद्र में उठीं बेहद ऊंची लहरों के चलते शुरू में लोगों को बचाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बोट पलटने की वजह से कई पर्यटक उसके निचले हिस्से में ही फंस गए थे। हालांकि, सबसे पहले आस–पास मौजूद दूसरी नावों ने मुस्तैदी दिखाते हुए पानी में गिरे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। इसके बाद हालात को देखते हुए वियतनाम की कोस्ट गार्ड और बॉर्डर गार्ड की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। राहत बचाव दल ने तुरंत अपने बड़े जहाजों समेत हाई–स्पीड रेस्क्यू बोट और करीब 40 जवानों को इस काम में लगा दिया। इसके साथ ही टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए टापू पर फंसे 70 दूसरे विदेशी पर्यटकों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

हादसे की खबर मिलते ही भारत सरकार अलर्ट मोड पर आ गई। प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद, साथ ही सही जानकारी देने के लिए हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में चौबीसों घंटे चलने वाले आपातकालीन कंट्रोल रूम तैयार कर दिए गए हैं। दूतावास के अधिकारी वियतनाम के स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार तालमेल बिठा रहे हैं, ताकि घायलों के इलाज में कोई कमी न रहे। मदद के लिए ये हेल्पलाइन नंबर्स जारी किए गए हैं।

हो ची मिन्ह सिटी हेल्पलाइन: +84 36 281 7930 +84 91 552 37 14 +84 33 452 0414

हनोई हेल्पलाइन: +84 91 308 9165

इस बड़ी त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वियतनाम के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की खबर से उनका दिल पूरी तरह टूट गया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं, साथ ही घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, राहुल गांधी ने भी इस घटना को बेहद दुखद और परेशान करने वाला बताया। उन्होंने सरकार से अपील की है कि वे वियतनामी अधिकारियों के साथ मिलकर राहत काम में कोई कसर न छोड़ें, ताकि संकट में फंसे हर एक भारतीय नागरिक तक सही समय पर मदद पहुंचाई जा सके।

एस जानकी...

साल 2013 में भारत सरकार ने एस. जानकी को पद्म भूषण सम्मान देने का ऐलान किया था, लेकिन उन्होंने इसे लेने से मना कर दिया। उस वक्त उन्होंने बेहद बेबाकी से अपनी बात रखते हुए कहा था कि भारतीय संगीत में उनके इतने बड़े और ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' मिलना चाहिए था। उनका कहना था कि यह सम्मान उन्हें बहुत पहले ही मिल जाना चाहिए था और अब इस उम्र में आकर पद्म भूषण लेने का कोई औचित्य नहीं है।

दिग्गजों ने जताया गहरा शोक

अभिनेता विजय ने उनकी उपलब्धियों की तारीफ की और कहा, उनके गुजर जाने से भारतीय संगीत जगत को कभी न पूरी होने वाली क्षति हुई है। मैं उनके दुखी परिवार, फिल्म इंडस्ट्री, संगीत कलाकारों और दुनिया भर में मौजूद उनके फ़ैन्स के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। जानकी अम्मा ने अपने लंबे और सुनहरे करियर में गायकी के वो मुकाम हासिल किए, जहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। उनकी जादुई आवाज और कला का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें अपने करियर में 4 बार प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा, अलग–अलग राज्यों के फिल्म पुरस्कारों की बात करें, तो उन्होंने अपनी झोली में रिकॉर्ड 33 राज्य फिल्म पुरस्कार समेटे थे।

क्रिप्टो...

तहत इनकी खरीद–बिक्री की अनुमति नहीं है। इसमें आगे कहा गया है कि क्रिप्टोकरेंसी, वर्चुअल करेंसी, टोकन और स्टेबलकॉइन जैसे अलग–अलग शब्द डिजिटल संपत्तियों की एक ही श्रेणी को दर्शाते हैं, और केवल शब्दावली बदलने से धार्मिक फैसला नहीं बदलता है। इसलिए यह फैसला न केवल बिटकॉइन और एथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी पर लागू होता है, बल्कि ब्लॉकचेन–आधारित टोकन और स्टेबलकॉइन (जिसमें यूएसडीटी/टीथर भी शामिल है) पर भी लागू होता है।

फतवे की टाइमिंग अहम, पाक सरकार की क्रिप्टो नीति पर संकट

यह फतवा ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तानी सरकार क्रिप्टोकरेंसी सेक्टर के विकास को बढ़ावा दे रही है। पिछले साल, सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों को लाइसेंस देने और देश के फाइनेंशियल सिस्टम में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को शामिल करने के लिए 'पाकिस्तान वर्चुअल एसेट्स रेगुलेटरी अथॉरिटी' बनाने की घोषणा की थी। सरकार ने वर्चुअल एसेट्स के लिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क भी पेश किया है, जिससे लाइसेंस–प्राप्त क्रिप्टो इंडस्ट्री का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार ने बिटकॉइन माइनिंग के लिए बिजली भी आवंटित की। सरकार का तर्क है कि इससे विदेशी निवेश आएगा, पाकिस्तानी रुपया मजबूत होगा और युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। लेकिन धार्मिक लॉबी और कट्टर उलेमा इस प्रक्रिया को इस्लाम के खिलाफ बताते रहे हैं।

पाकिस्तान से ट्रंप की कमाई की प्लानिंग को पलीता

ट्रंप ने क्रिप्टो की बिजनेस से कमाई करने के लिए एक कंपनी बनाई है। इस कंपनी का नाम डब्ल्यूएलएफ यानी कि वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल है। यह डोनाल्ड ट्रंप और उनकी फैमिली की क्रिप्टो कंपनी है। इस कंपनी को मुख्य रूप से ट्रंप परिवार के सदस्य डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, एरिक ट्रंप और उनके करीबी पार्टनर्स चलाते हैं। कंपनी का मुख्य प्रोडक्ट यूएसडी1 नाम का डॉलर–पेग्ड स्टेबलकॉइन है।

पाकिस्तान ने जनवरी 2026 में डब्ल्यूएलएफ की सहयोगी कंपनी एससी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज के साथ चेण साइन किया था। इस समझौते के तहत डब्ल्यूएलएफ का यूएसडी1 स्टेबलकॉइन पाकिस्तान में क्रॉस–बॉर्डर पेमेंट्स के लिए इस्तेमाल करने की बात कही गई थी। डब्ल्यूएलएफ के सीईओ जैक विटकॉफ ने खुद इस्लामाबाद आकर इस डील पर साइन किया था। इस दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और वित्त मंत्री मौजूद थे।

ट्रंप परिवार को 2025 में डब्ल्यूएलएफ से अकेले टोकन सेल्स से 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का फायदा हुआ था। इस कंपनी ने पाकिस्तान को अपना गवर्नेंट पार्टनर बनाकर अपनी वैधता और मार्केट पहुंच बढ़ाने की कोशिश की थी।अब मुफ्ती तकी उस्मानी का फतवा इस पूरे आइडिया पर पानी फेर सकता है। यूएसडी1 स्टेबलकॉइन भी फतवे की जद में आ गया है, जिससे पाकिस्तान में इसका लोकल यूज बेहद मुश्किल हो जाएगा।हालांकि फतवा कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है, लेकिन पाकिस्तान जैसे देश में मजहबी फतवों का सामाजिक और सांस्कृतिक असर बहुत गहरा होता है। लाखों–करोड़ों आम मुसलमान अब क्रिप्टो ट्रेडिंग को हराम समझ सकते हैं और सार्वजनिक रूप से इसका इस्तेमाल करने से हिचक सकते हैं।ट्रंप प्रशासन के लिए पाकिस्तान के साथ क्रिप्टो डील सिर्फ बिजनेस नहीं, बल्कि डिप्लोमेसी का हिस्सा थी। पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल पीस प्राइज के लिए नामांकित किया। बदले में ट्रंप परिवार की क्रिप्टो कंपनी को सपोर्ट मिला। अब अगर पाकिस्तान में क्रिप्टो एडॉप्शन रुक गया तो डब्ल्यूएलएफ की ग्रोथ प्रभावित होगी। इससे ट्रंप की कमाई का जो पाकिस्तान कार्ड था, वह कमजोर पड़ सकता है।

हम जनता के ...

पीठ ने कहा कि चार साल बीत जाने के बाद भी 34 गवाहों में से केवल दो की गवाही हो सकी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि त्वरित सुनवाई आरोपित का मौलिक अधिकार है, लेकिन राज्य सरकारें अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। जब राज्य जमानत का विरोध करता है, तो उसका यह भी कर्तव्य है कि वह मुकदमे की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाए। हर हफ्ते चार गवाहों के बयान दर्ज करने के निर्देश महाराष्ट्र सरकार के वकील ने दलील दी कि अब आरोपितों को हर तारीख पर कोर्ट में पेश किया जा रहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर असंतोष जताते हुए राज्यों से मुकदमों में तेजी लाने के लिए एक ठोस नीति बनाने को कहा। कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया कि अब इस मामले में हर हफ्ते कम से कम चार गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं और इस आदेश की कापी ट्रायल कोर्ट के सामने रखी जाए। कोर्ट ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे मामले सामने आने पर और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

20–30 करोड़ ...

क्या जनता के लोकतांत्रिक अधिकार वापस देने के लिए अभी कुछ और करना बाकी रह गया है? उन्होंने साफ कहा कि लोगों ने बढ़–चढ़कर चुनावों में हिस्सा लिया, नई सरकार भी बन गई, फिर भी दिल्ली अपने वादे को पूरा करने में लगातार देरी कर रही है। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह हमेशा बातचीत के जरिए अपने अधिकार हासिल करने के पक्ष में रहे हैं, लिहाजा उनके धैर्य को कमजोरी समझने की भूल कतई न की जाए। उनका साफ कहना है कि शांति रखने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि वह अपने हक की आवाज उठाना छोड़ देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों से बातचीत कर सकती है, तो जम्मू–कश्मीर के लोगों से बात करनी चाहिए, ताकि चीजें पूरी तरह साफ हो सकें।

प्रशासनिक कामकाज में आ रही दिक्कतों को लेकर भी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गहरी नाराजगी जाहिर की। उनका सीधा आरोप है कि चुनी हुई सरकार को पूरी आजादी के साथ फैसले लेने और उन्हें जमीन पर उतारने का मौका नहीं दिया जा रहा है, बल्कि सारा नियंत्रण राजभवन के जरिए चलाने की कोशिश हो रही है। इस दौरान यह सवाल भी उठाया गया कि अगर अधिकारियों की मदद से सरकार के हाथ बांधने थे, तो फिर सूबे में इतने बड़े पैमाने पर चुनाव कराने का नाटक करने की क्या जरूरत थी? इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने साफ किया कि जनता ने जिस उम्मीद से उन्हें चुना है, वे उसके लिए दिन–रात मेहनत करते रहेंगे।

दतिया उपचुनाव : दो...

उनके प्रभारी बनने से बूथ प्रबंधन मजबूत होगा। उनकी नियुक्ति से बीजेपी ने बता दिया है कि वह किसी भी तरह का कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भारत के सबसे प्रभावशाली राजपरिवारों में से एक ग्वालियर के सिंधिया राजवंश से हैं। उनका परिवार अपनी ऐतिहासिक विरासत, आलीशान महलों और भारतीय राजनीति में दशकों से सक्रिय भूमिका के लिए जाना जाता है। उनके परिवार ने गुना और ग्वालियर तक सालों तक राज किया है। उनके पिता माधवराव सिंधिया कांग्रेस के कद्दावर नेता थे। वहीं उनकी दादी राजमाता सिंधिया बीजेपी की बड़ी नेता थीं। वहीं ज्योतिरादित्य ने भी अपनी शुरुआत कांग्रेस से की थी, लेकिन साल 2020 में वह बीजेपी में शामिल हो गए थे और उन्होंने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिरवा दी थी, तब से ही कांग्रेस की उनकी पुरानी अदावत है। अब दतिया में वह बीजेपी को एक और चुनाव जिताकर कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील ठोंकना चाहेंगे।

दतिया राजघराने के मुखिया हैं घनश्याम

दूसरी तरफ कांग्रेस ने दतिया उपचुनाव के लिए घनश्याम सिंह पर भरोसा जताया है। वह दतिया राज–घराने के मुखिया हैं। उनके पिता महाराज कृष्ण सिंह जू देव भी कांग्रेस के बड़े नेताओं में शुमार रहे थे। खुद घनश्याम जमीन पर काफी एक्टिव हैं और लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। वह दतिया और उसकी पड़ोस वाली विधानसभा सेवढ़ा से कई बार विधायक रह चुके हैं। पिछली बार साल 2023 में उन्होंने सेवढ़ा से चुनाव लड़ा था, लेकिन तब उन्हें बीजेपी के प्रदीप अग्रवाल ने हराया था। अब उपचुनाव में उनकी लॉटरी लगी है और दतिया से उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार बन गए हैं।

साल 2023 में कांग्रेस के खाते में गई थी दतिया सीट

साल 2023 में दतिया सीट पर कांग्रेस के राजेंद्र भारती जीते थे, तब उन्होंने बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा को हराया था। इसी वजह से अब उपचुनाव में कांग्रेस किसी भी कीमत में इस सीट को नहीं गंवाना चाहेगी। राजेंद्र को बैंक एफडी के धोखाधड़ी के मामले में दिल्ली की एमपी–एमएलए कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी विधायकी चली गई थी।

अब 30 जुलाई को जनता बनेगी रेफरी

ऐसे में नरोत्तम मिश्रा को लगा कि उनके लिए मौका बन गया और वह उपचुनाव का ऐलान होते ही सभाएं करने लगे और वोट भी मांगे। यहां तक कि नामांकन पत्र भी खरीद लिया। लेकिन बाद में बीजेपी की बारात तो आई, लेकिन सेहरा आशुतोष तिवारी के सिर सज गया। बाद में उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किए। इसी वजह से उन्हें भोपाल तलब किया, जहां उनके सुर बदले हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्टी का फैसला सर्वोपरि है और आशुतोष को जिताएंगे। दूसरी तरफ मोहन यादव की साख भी दतिया चुनाव पर लगी हुई है। अब यह देखने वाली बात होगी कि राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा?

चुनाव में जीत किसे मिलेगी, लेकिन फिलहाल तो मामला बहुत ही रोमांचक हो गया, जहां अब जनता रेफरी बनकर 30 जुलाई को आशुतोष और घनश्याम के भाग्य का फैसला करेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 12 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डॉ. महेंद्र कुमावत का नगरागम पर भव्य स्वागत

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत (निमाज निवासी) के हैदराबाद आगमन पर सिखवाल प्रगति समाज द्वारा फीलखाना स्थित ऋषि श्रृंग भवन में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं श्री गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी डॉ. भगवंत राव, पूर्व पार्षद वैकुण्ठम अन्ना, गोविंद नारायण राठी, भाजपा ओबीसी मोर्चा हैदराबाद जिला अध्यक्ष तथा समाजसेवी सोहनलाल कड़ेल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह में सिखवाल प्रगति समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, मोतीलाल तिवारी, महेंद्र व्यास, विजयकुमार उपाध्याय, श्रीराम व्यास, चंद्रभान व्यास, अनिल तिवारी, अनिल जायलवाल, चंपालाल ओझा, श्रीराम उपाध्याय, सुरेश कुमार व्यास 'जानम' (जैतारण निवासी), 18 खेड़ा चौधरी जितेंद्र उपाध्याय, बाबूलाल व्यास, सिखवाल समाज फेसबुक के 'बादशाह' रामजीवन तिवारी, रामनारायण तिवारी, लोकेश उपाध्याय तथा अन्य समाजबंधुओं ने डॉ. महेंद्र कुमावत का पुष्पमालाओं एवं सम्मान-चिन्ह के साथ अभिनंदन किया।

कार्यक्रम का संचालन महेंद्र व्यास ने किया। सभा को संबोधित करते हुए उपस्थित वक्ताओं ने सभी राजस्थानी समाजबंधुओं से अपील की कि वे शीघ्र एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया में भाग लेकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

अंत में रामदेव नागला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ, जिसके पश्चात सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

तीन वर्ष की प्रतीक्षा के बाद गनफाउंड्री में 69 लाख के सीवरेज विकास कार्यों का शुभारंभ

विधायक टी. राजा सिंह ने किया उद्घाटन, ठेकेदारों व अधिकारियों की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गन फाउंड्री डिवीजन में लगभग 69 लाख की लागत से विभिन्न सीवरेज लाइन विकास कार्यों का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, पूर्व कॉरपोरेटर डॉ. सुरेखा ओमप्रकाश, स्थानीय कॉलोनीवासी तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उद्घाटन किए गए विकास कार्यों में महेश नगर कॉलोनी (5-8-297 से 5-8-369/1/ए) में 5.60 लाख, नंदिनी स्कूल, महेश नगर कॉलोनी में 15 लाख तथा गन फाउंड्री थ्री टेंपल्स क्षेत्र में 30 लाख की लागत से सीवरेज लाइन निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि इन सीवरेज लाइन विकास कार्यों को स्वीकृति मिले हुए लगभग तीन वर्ष बीत चुके थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह रही कि इनका कार्य अब जाकर प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को लंबे समय तक मूलभूत सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ा, जो चिंता का विषय है।

विधायक ने कहा कि ठेकेदारों एवं संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण विकास कार्यों की गति अत्यंत धीमी हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले ऐसा समय था जब ठेकेदार स्वयं जनप्रतिनिधियों के पास आकर

कार्य मांगते थे, लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब कार्य आवंटित होने के बाद जनप्रतिनिधियों को ही ठेकेदारों से बार-बार अनुरोध करना पड़ता है कि वे कार्य प्रारंभ करें, इसके बावजूद कई स्थानों पर समय पर काम शुरू नहीं हो रहा है।

राजा सिंह ने कहा कि विकास कार्यों में हो रही देरी के कारण क्षेत्र की जनता को आवश्यक नागरिक सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों से सभी स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया, ताकि क्षेत्रवासियों को समय पर बेहतर एवं सुचारु नागरिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मतदाता सूची संशोधन के लिए आज लगेगा एसआईआर सहायता शिविर

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की पहल पर निःशुल्क मिलेगी एन्यूमरेशन एवं एसआईआर फॉर्म भरने की सहायता

तैयारी बैठक में स्वयंसेवकों को दिया गया प्रशिक्षण, अधिकाधिक लोगों से शिविर में पहुंचने की अपील

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना के तत्वावधान में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से रविवार, 12 जुलाई 2026 को एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा।

समाज के सभी सम्मानित सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

शिविर में एन्यूमरेशन फॉर्म सहायता एवं एसआईआर फॉर्म सहायता निःशुल्क उपलब्ध रहेगी।

इसके माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, अद्यतन एवं संबंधित अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ी सभी शंकाओं का समाधान किया जाएगा।

यह शिविर 12 जुलाई 2026 (रविवार) को प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक पी. सत्यनारायण भवन, घांसी बाजार, हैदराबाद में आयोजित होगा।

शिविर में आने वाले नागरिकों से मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी), पता प्रमाण (एड्रेस प्रूफ) तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने का अनुरोध किया गया है, ताकि आवश्यक प्रक्रियाएं आसानी से पूर्ण की जा सकें।

शिविर की सफल व्यवस्था एवं संचालन को लेकर शनिवार को एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वयंसेवकों को एसआईआर एवं एन्यूमरेशन फॉर्म सहायता प्रक्रिया का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे शिविर में आने वाले लोगों को प्रभावी एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।बैठक में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, डॉ. सरिता अग्रवाल, प्रिया श्रीनिवासन वेंकटेश, नितेश अग्रवाल, वीना वर्कल, दिनेश कुमार मोदी, अनमोल, दीक्षिता, लुचिता, शिवम, योगिनी, रूपेश सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अग्रवाल समाज, तेलंगाना ने सभी समाजबंधुओं एवं नागरिकों से अपने मतदाता विवरण को सही एवं अद्यतन बनाने के लिए इस शिविर में सहभागी बनने की अपील करते हुए सभी का हार्दिक स्वागत किया है।

सेवा से बढ़कर कोई उत्सव नहीं, जन्मदिन पर अन्नदान कर मिला जीवन का सबसे बड़ा संतोष : रामचंद्र कुमावत

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शनिवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम मानव सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया। अपने जन्मदिन के पावन अवसर पर रामचंद्र कुमावत ने निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराकर अपने विशेष दिन को मानव सेवा के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा उनका पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय सम्मान किया गया। सम्मान से अभिभूत रामचंद्र कुमावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ''सेवा से बढ़कर कोई उत्सव नहीं हो सकता। जीवन में अनेक बार जन्मदिन मनाने का अवसर मिला, लेकिन आज निराश्रितजनों को भोजन करवाकर जो आत्मिक शांति, संतोष और आनंद प्राप्त हुआ है, वैसा अनुभव पहले कभी नहीं हुआ। परिवार और मित्रों के साथ जन्मदिन मनाना अपनी जगह खुशी देता है, लेकिन जिन लोगों के जीवन में खुशियाँ कम हैं, उनके साथ अपने सुख साझा करना और उन्हें सम्मानपूर्वक भोजन कराना वास्तव

में ईश्वर की सच्ची पूजा है। आज जिन लोगों के चेहरों पर भोजन पाकर मुस्कान आई, वही मेरे जन्मदिन का सबसे अनमोल उपहार है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने मुझे सेवा का यह पावन अवसर और सम्मान देकर मेरे जन्मदिन को जीवनभर के लिए अविस्मरणीय बना दिया है। इसके लिए मैं ग्रुप परिवार का सदैव आभारी रहूँगा। कार्यक्रम में भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, राम प्रकाश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, अनिता नथानी एवं शुचि गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कुमावत समाज ट्रस्ट में डॉ. महेंद्र रोहिवाल का भव्य सम्मान राधे-राधे ग्रुप की सेवा गतिविधियों से हुए प्रभावित

राधे-राधे ग्रुप की अन्नदान, गौसेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की मुक्तकंठ से सराहना

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज ट्रस्ट, हैदराबाद (तेलंगाना) द्वारा मल्हारदेवपल्ली स्थित ट्रस्ट भवन में राजस्थान भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेंद्र रोहिवाल के सम्मान में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, समाजबंधुओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल एवं रोहित अग्रवाल ने भी डॉ. महेंद्र रोहिवाल का शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। सम्मान के उपरांत रामप्रकाश अग्रवाल ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान, गौसेवा तथा अन्य जनकल्याणकारी सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि मानवता की सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए प्रत्येक जरूरतमंद तक सम्मान, सहयोग और अपनत्व पहुंचाना है।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म और राष्ट्रधर्म

राधे-राधे ग्रुप की सेवा यात्रा से प्रभावित डॉ. महेंद्र रोहिवाल ने कहा कि आज समाज को केवल भाषण देने वालों की नहीं, बल्कि सेवा करने वाले हाथों की आवश्यकता है। जिस संगठन के माध्यम से किसी भूखे का पेट भरता है, किसी असहाय को सहारा मिलता है और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आती है, वही संगठन वास्तविक अर्थों में राष्ट्र निर्माण का कार्य करता है।डॉ. महेंद्र रोहिवाल ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित समाजोपयोगी एवं राष्ट्रोपयोगी सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज में संवेदनशीलता, भाईचारे और सेवा संस्कार को मजबूत करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह शीघ्र ही राधे-राधे ग्रुप के नियमित अन्नदान केंद्रों पर पहुंचकर स्वयं सेवा करेंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

समारोह का समापन सामाजिक समरसता, सेवा भावना और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि मानवता की यह अविरल सेवा यात्रा भविष्य में और अधिक लोगों को प्रेरित करेगी तथा समाज में सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

कार्यक्रम में भाकरराम लारना (अध्यक्ष), प्रकाशचंद अलोदिया (संरक्षक), संजय कुमार बाकरेचा (सचिव), जोगाराम बाकरेचा (उपाध्यक्ष), राणाराम खुदाल, शंकरलाल बाबूलाल, मंगाराम, भींयाराम, गणपतलाल, पप्पूराम मानणिया, मिश्रीलाल अडाणिया, हनुमानराम बाकरेचा, धर्माराम रेड, रामचन्द्र बाबूलाल मावर, माणकचंद लारना, पांचाराम दुबलदिया, पाबुराम पीपावत, ओमप्रकाश चांदोरा, जवानमल, गौतमचंद बोड़ावड़, दीपक जाखिया, बुधाराम होतवाल, सोहनलाल मोटावत, सतु जी, माणकचंद रोहिवाल, सुनील मोरवाड़िया तथा राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस सरकार की नीतियों एवं अल्पसंख्यकों से जुड़े अधूरे वादों का उठाया मुद्दा

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह के नेतृत्व में शनिवार को राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा कांग्रेस सरकार की नीतियों पर अपनी चिंताएं राज्यपाल के समक्ष रखीं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यक समुदायों से किए गए अनेक वादों को पूरा करने में विफल रही है। साथ ही सरकार की नीतियों एवं कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए इसे जनहित के विपरीत बताया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं पर सरकार की कथित निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल से मामले का संज्ञान लेने और न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सरकार को अपने वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि वह सभी समुदायों के अधिकारों, हितों एवं कल्याण की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मोर्चा ने विश्वास व्यक्त किया कि वह भविष्य में भी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से जनता की आवाज बुलंद करता रहेगा तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को निरंतर उठाता रहेगा।

मोदी सरकार के तहत तेलंगाना के लिए रेलवे बजट छह गुना बढ़ा: वैष्णव

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने तेलंगाना में रेलवे के विकास कार्यों को काफी गति प्रदान की है।

श्री वैष्णव ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य के रेलवे बजट को पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय के 880 करोड़ रुपये से बढ़ाकर अब 5,454 करोड़ रुपये कर दिया है। पूरे तेलंगाना में रेलवे अवसंरचना में बड़ा बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान भी ट्रेन सेवाएं जारी रह रही हैं।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास काम तेज़ी से चल रहा है, जबकि हैदराबाद (नामपल्ली), हाईटेक सिटी, वारंगल और करीमनगर में उन्नत किए गये स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है और जल्द ही उनका उद्घाटन किया जाएगा। काज़ीपेट, मौला अली और कई अन्य स्टेशनों पर भी पुनर्विकास का काम चल रहा है। तेलंगाना के 40 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है।

श्री वैष्णव ने कहा कि देश भर में पुनर्विकास के लिए चुने गए 1,300 रेलवे स्टेशनों में से 261 का काम पूरा हो चुका है। यह संख्या इस साल के अंत तक 400 और अगले साल के अंत तक 700 हो जाएगी, जो भारतीय रेलवे में एक अभूतपूर्व बदलाव को दर्शाता है। तकनीकी प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्वदेशी रूप से विकसित वंदे भारत ट्रेनें सवारी की गुणवत्ता और यात्रियों के आराम के मामले में वैश्विक मानक के बराबर हैं। उन्होंने कहा कि वंदे भारत शयनयान सेवा को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने इसकी गुणवत्ता की तारीफ़ की है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 12 वर्षों में 36,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बिछाए हैं, 2,700 किलोमीटर का समर्पित माल-ढुलाई गलियारा पूरा किया है और रेलवे नेटवर्क के 99.4 प्रतिशत हिस्से का इलेक्ट्रिफिकेशन किया है।

उन्होंने इन उपलब्धियों को देश के परिवहन अवसंरचना को आधुनिक बनाने के लिए प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का नतीजा बताया। इस दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और अन्य नेता मौजूद थे।

एआई संचालित प्रोजेक्ट शुद्ध लॉन्च: सीवर सफाई का होगा पूरी तरह डिजिटलीकरण

मंत्री श्रीधर बाबू ने किया उद्घाटन, रोबोटिक्स और एआई से सुधरेगा शहरी ड्रेनेज सिस्टम

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): शहरी बुनियादी ढांचे को सुरक्षित बनाने और सार्वजनिक सेवाओं में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में तेलंगाना सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सूचना प्रौद्योगिकी , इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू ने शनिवार को 'टी-वर्क्स' में प्रोजेक्ट शुद्ध का औपचारिक शुभारंभ किया।

यह एआई-संचालित सीवर गवर्नेंस प्लेटफॉर्म हैदराबाद के डीप-टेक स्टार्टअप 'द बॉट फैक्ट्री' द्वारा ऑल इंडिया रोबोटिक्स एसोसिएशन (एआईआरए) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस अवसर पर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के एमडी अशोक रेड्डी, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन और ऑल इंडिया रोबोटिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन किश्शन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

द बॉट फैक्ट्री की रोबोटिक्स हेड सुश्री निहिता ने बताया कि 'प्रोजेक्ट शुद्ध' को आपदा प्रबंधन रोबोटिक्स पहल के तहत विकसित किया गया है। पारंपरिक तकनीकों के विपरीत, जो केवल मशीनीकृत सफाई पर ध्यान केंद्रित करती हैं, यह प्रोजेक्ट 'सीवर गवर्नेंस' (सफाई प्रबंधन) पर आधारित है।

इस प्लेटफॉर्म के तहत सीवर नेटवर्क में होने वाले हर काम को डिजिटल रूप से ट्रैक, रिकॉर्ड और मॉनिटर किया जा सकेगा। इसमें स्वायत्त (ऑटोनॉमस) रोबोट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीआईएस और सैटेलाइट-आधारित निगरानी प्रणाली शामिल है। इसका

मुख्य उद्देश्य शहरों को 'शून्य मानव सीवर प्रवेश' की ओर ले जाना और भूमिगत बुनियादी ढांचे का स्मार्ट प्रबंधन करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एक अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि मेट्रो वॉटर वर्क्स के साथ किए गए परीक्षणों में इस प्लेटफॉर्म के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। यह तकनीक सीवर ब्लॉक होने से पहले ही अलर्ट जारी करेगी और डेटा एनालिटिक्स के जरिए संभावित समस्याओं की पहचान करेगी। इससे मानसून और अन्य मौसमों के दौरान ड्रेनेज ओवरफ्लो की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी ने कहा कि विभाग पहले एक चुनिंदा क्षेत्र में इसका पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा और प्रदर्शन के आधार पर इसका विस्तार पूरे शहर में किया जाएगा।

भारत के अधिकांश शहरों में आज भी सीवर रखरखाव के लिए जेटिंग और सक्शन मशीनों के साथ-साथ कई बार मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ती है, जिससे सफाईकर्मियों का जीवन जोखिम में आ जाता है। 'प्रोजेक्ट शुद्ध' इस खतरनाक मानवीय प्रवेश की जरूरत को पूरी तरह समाप्त करने का प्रयास करता है। यह रोबोटिक प्रणाली न केवल सीवर और मैनहोल की सफाई करेगी, बल्कि रीयल-टाइम डेटा और डिजिटल मैप भी तैयार करेगी। यह पहल केंद्र सरकार के स्मार्ट सिटीज, डिजिटल गवर्नेंस और श्रमिक सुरक्षा जैसे राष्ट्रीय अभियानों के बिल्कुल अनुकूल है।

अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोत महेंद्रगिरि भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल

हिन्द महासागर में बढ़ेगी भारत की ताकत

विशाखापत्तनम,11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्याधुनिक स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि शनिवार को यहां में एक समारोह में नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे ऐतिहासिक अवसर और इस अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत को भारत की जहाज निर्माण में बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। पिछले डेढ़ वर्ष में नौसेना में शामिल होने वाला यह प्रोजेक्ट 17 ए का छठा स्वदेशी युद्ध पोत है।

इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि आईएनएस महेंद्रगिरि तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार नौसेना के निर्माण के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समुद्री और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने भारत के सागर दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

दोहरायी और कहा कि मानवीय सहायता, समुद्री डकैती रोधी अभियानों तथा ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा में नौसेना की भूमिका भारत के आर्थिक हितों की रक्षा में उसके योगदान को दर्शाती है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने कहा कि आईएनएस महेंद्रगिरि का शामिल होना स्वदेशी युद्धप-ोत निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे नौसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत शुभारंभ से डिलीवरी तक का समय 63 महीने से घटाकर 31 महीने और कुल निर्माण अवधि 95 महीने से घटाकर 75 महीने कर दी गयी है, जबकि सभी तकनीकी परीक्षण केवल एक समुद्री परीक्षण में पूरे किये गये।

करीब 6,670 टन वजन और 28 समुद्री मील प्रति घंटा की अधिकतम गति वाला आईएनएस महेंद्रगिरि फ्लीट एयर डिफेंस, सतह-रोधी युद्ध, पनडुब्बी-रोधी युद्ध, समुद्री अवरोधन, निगरानी तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। यह युद्धपोत उन्नत स्टील्थ क्षमताओं, आधुनिक सेंसर, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणालियों, अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है और इसमें सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल भी लगायी जा सकती है।

पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वतमाला के नाम पर रखे गये इस फ्रिगेट के निर्माण में 200 से अधिक भारतीय उद्योगों, जिनमें अनेक एमएसएमई शामिल हैं, का योगदान रहा है।

पूर्वी बेड़े में शामिल होने के बाद यह भारतीय नौसेना की समुद्री युद्ध क्षमता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी परिचालन पहुंच को और मजबूत करेगा।

महाराष्ट्र में भूस्खलन से ट्रेन सेवाएं बाधित, एससीआर ने 25 ट्रेनों का रूट बदला

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र में करजत-लोणावला रेलखंड पर भूस्खलन के कारण रेल यातायात प्रभावित होने के बाद दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने शनिवार को 25 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित करने तथा दो ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द करने की घोषणा की।

एससीआर की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, नौ जुलाई से 17 जुलाई के बीच तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को मुंबई, गुजरात तथा पश्चिम भारत के अन्य गंतव्यों से जोड़ने वाली कई ट्रेनें अपने गंतव्य के अनुसार दौंड, मनमाड, जलगांव, पालधी, सूरत, इगतपुरी, कल्याण और सोलापुर वैकल्पिक मार्ग से संचालित की जाएंगी।

मार्ग परिवर्तन से प्रभावित ट्रेनों में विशाखापट्टनम-एलटीटी मुंबई एक्सप्रेस (18519), सिकंदराबाद-राजकोट एक्सप्रेस (22718), सिकंदराबाद-पोरबंदर एक्सप्रेस (20967), एलटीटी मुंबई-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस (18520), राजकोट-सिकंदराबाद एक्सप्रेस (22717) के अलावा चेन्नई, मदुरै, अहमदाबाद और कोयंबटूर जाने वाली कई अन्य ट्रेनें शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि नौ जुलाई से 17 जुलाई के बीच निर्धारित प्रस्थान तिथियों के अनुसार विभिन्न ट्रेनों पर मार्ग परिवर्तन लागू रहेगा। एस-सीआर ने बताया कि रेल यातायात में व्यवधान के कारण दो ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द भी किया गया है।इसके तहत 11 से 17 जुलाई तक चलने वाली सीएसटी मुंबई-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस (11301) अब पुणे से रवाना होगी तथा सीएसटी मुंबई और पुणे के बीच इसका परिचालन रद्द रहेगा। इसी प्रकार 10 से 16 जुलाई तक चलने वाली केएसआर बेंगलुरु-सीएसटी मुंबई एक्सप्रेस (11302) का समापन खड़की स्टेशन पर होगा तथा खड़की और सीएसटी मुंबई के बीच इसका परिचालन रद्द रहेगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों को यात्रा शुरू करने से पहले संशोधित समय-सारिणी और मार्ग परिवर्तन संबंधी जानकारी की जांच करने की सलाह दी है।

ज्योति अग्रवाल ने की राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना की सराहना, कहा निराश्रितजनों की सेवा ही सच्ची मानवता

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निराश्रित, जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन प्रसाद वितरित किया गया। सेवा कार्य पूरे श्रद्धाभाव, अनुशासन एवं समर्पण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ज्योति अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का एकमात्र उद्देश्य निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों की निस्वार्थ सेवा करना है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भूखे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराना ईश्वर की सच्ची आराधना है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के निष्काम भाव से मानव सेवा का जो सतत अभियान चला रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में करुणा, संवेदना और परस्पर सहयोग की भावना मजबूत होती है तथा प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस पुण्य कार्य में सहभागी बनना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने राधे रानी के जयकारों के साथ सेवा कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया तथा भविष्य में भी इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ नियमित अन्नदान जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं ज्योति अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

कन्नेपल्ली पंप हाउस से नहीं उठाया जाएगा गोदावरी का पानी: रेवंत रेड्डी

डैम सेफ्टी अथॉरिटी ने वर्तमान स्थिति में इसे बताया असुरक्षित; मुख्यमंत्री ने विपक्ष की मांग को नकारा

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को स्पष्ट कर दिया है कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (घड्खड) के बैराजों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कन्नेपल्ली (लक्ष्मी) पंप हाउस से गोदावरी का पानी नहीं उठाया जाएगा। 'मकरधर्डी' में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने इस प्रक्रिया को तकनीकी रूप से व्यावहारिक नहीं और असुरक्षित घोषित किया है।

क्षतिग्रस्त बैराजों में पानी रोकना बन सकता है तबाही का कारण

तकनीकी पहलुओं को समझाते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कन्नेपल्ली से पर्याप्त पानी उठाने के लिए मेडिगड्डा, अन्नावरम और सुंडिला बैराज के गेट बंद करके पानी का भंडारण करना जरूरी है। लेकिन, क्षतिग्रस्त हो चुके बैराजों के पीछे पानी का भंडारण करना एक बड़ी आपदा को निमंत्रण देने जैसा होगा। उन्होंने बताया कि कन्नेपल्ली में पंपिंग के लिए न्यूनतम जल स्तर 93.50 मीटर होना आवश्यक है, जबकि वर्तमान में मेडिगड्डा में यह केवल 89.90 मीटर है। चूंकि छ्डअ ने बैराजों के गेट बंद करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया है, इसलिए पंपिंग करना

पूरी तरह असंभव है।

अंतिम रिपोर्ट में तीनों बैराज अनफिट घोषित

मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मई 2020 में ही मेडिगड्डा बैराज में कमियां पाई गई थीं, लेकिन तत्कालीन सरकार ने इन्हें नजरअंदाज किया, जिसके कारण अक्टूबर 2023 में बैराज का एक बड़ा हिस्सा धंस गया था। अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, मेडिगड्डा का ब्लॉक-7 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है, अन्नावरम में गंभीर संरचनात्मक नुकसान हुआ है, और सुंडिला बैराज भी असुरक्षित है। प्राधिकरण ने स्पष्ट कहा है कि ये तीनों बैराज फिलहाल पानी के भंडारण के लिए पूरी तरह 'अनफिट' हैं।

तकनीकी निगरानी समिति की देखरेख में होगा पुनर्वास कार्य

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने 30 जून 2026 को एक तकनीकी निगरानी समिति का गठन किया है, जो इन तीनों बैराजों के पुनर्वास और मरम्मत कार्यों की निगरानी कर रही है। यह समिति अगस्त के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

रेवंत रेड्डी ने दोहराया कि राज्य सरकार राजनीतिक लाभ के लिए जनता की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगी और NDSA व TOC की सिफारिशों का पूरी सख्ती से पालन करेगी।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष को लगता है कि पानी उठाना सुरक्षित है, तो सरकार इस परियोजना को विपक्ष के नेताओं के साथ सीधे बांध सुरक्षा प्राधिकरण को सौंपने के लिए भी तैयार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.